हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

KP GROUP Quality Since 1965

नया दशन पैक

30% EXTRA

KP GROUP Quality Since 1965

CELEBRATING 60 YEARS

राजश्री ₹

पान मसाला

NO TOBACCO, NO NICOTINE

No Tobacco, No Nicotine

Not recommended for minors

Chewing of pan masala is injurious to health



कृषि मंत्री रामविचार नेताम का स्वागत करते हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी।



इंदिरा गांधी कृषि विवि के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल का स्वागत करते हुए हरिभूमि के स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा।



कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेसी का स्वागत करते हुए हरिभूमि के महाप्रबंधक अनिल गहलावत।



कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेसी को सम्मानित करते हुए हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी एवं संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह।

किसानों को तकनीकी रूप से बनाना होगा मजबूत, पशुपालन को भी हिस्सा बनाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कृषि संवाद के दूसरे सत्र में हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाओं, कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, बाजार तक पहुंच और किसानों के साथ उद्योगों के बेहतर तालमेल पर चर्चा की। इस सत्र में मिल्कियाना पशु आहार के डायरेक्टर प्रदीप अग्रवाल, एरिज एग्रो लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग कंट्रोलर देवेंद्र कुमार तिवारी, केएससी टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी सुनीत चतुर्वेदी, आईबी ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमित जैन, शैमरॉक ओवरसीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मंदीप सिंह चावला और इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क के सीईओ डॉ. एसके मिश्रा शामिल हुए। इन सभी से चर्चा में किसानों की समस्याओं के बारे में भी बात हुई। किसानों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के साथ ही किसानों को बाजार उपलब्ध कराने, किसानों को खेती से हटकर पशुपालन के लिए भी प्रोत्साहित करने की बात सामने आई। गायों को खुले में छोड़ने पर अंकुश लगाने से दूध का उत्पादन भी ज्यादा होने की बात सामने आई।

किसानों में जागरूकता जरूरी : चावला

शैमरॉक ओवरसीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मंदीप सिंह चावला से कहा, यह बात सही है कि कई बार किसानों को खाद सही नहीं मिल पाती है। लेकिन हमारी कंपनी के बारे में सभी जानते हैं कि हम किसानों को सही माल उपलब्ध करवाते हैं। यहां पर बैठे किसान ये बात जानते हैं। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि किसानों को माल तो ठीक मिलता है, लेकिन उसका उपयोग ठीक से नहीं कर कर पाते हैं। किसानों में जागरूकता की कमी के कारण किसान कुछ भी दवाई फसल को बचाने के लिए डाल देते हैं, इससे नुकसान भी होता है। फसल की लागत भी बढ़ जाती है। किसानों में खासकर दवाईयों को लेकर जागरूकता जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा, भले छत्तीसगढ़ में धान का रकबा ज्यादा है, लेकिन बागवानी के मामले में भी अपना राज्य कम नहीं है। देश में छत्तीसगढ़ का नंबर दूसरा है। एक एकड़ में यहां पर 60 टन बैगन होते हैं।



तकनीकी जानकारी भी जरूरी : सुनीत चतुर्वेदी

केएससी टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी सुनीत चतुर्वेदी ने कहा, किसानों के लिए तकनीकी जानकारी भी जरूरी है। हम लोग एआई के माध्यम से कृषि को कंट्रोल करने का प्रयास कर रहे हैं। किसानों को जब इस बात की जानकारी होगी कि कब क्या करना है तो उनके लिए आसानी होगी। ज्ञान के अभाव के कारण किसानों को परेशानी होती है। किसान जिस क्षेत्र में महारथ है उस क्षेत्र में काम करना चाहिए। अगर कोई किसान सब्जी के मामले में जानकारी है तो उनको सब्जी की खेती करनी चाहिए। जो किसान धान का जानकार है उनको धान की खेती करनी चाहिए। आज छत्तीसगढ़ का धान भी कई देशों में जाता है और इसकी अच्छी कीमत भी मिलती है।

दूसरे सत्र में कृषि आधारित उद्योगों से जुड़े लोगों से संवाद

दूसरी फसलों के लिए भी योजना जरूरी : प्रदीप अग्रवाल

मिल्कियाना पशु आहार के डायरेक्टर प्रदीप अग्रवाल, ने एक सवाल के जवाब में कहा, इसमें संदेह नहीं है कि राज्य की ग्रोथ के साथ कंपनी की भी ग्रोथ होती है है। उन्होंने कहा, आज माईन खेती का जमाना है। खेती को कमर्शियल नजर से देखना चाहिए। धान के अलावा जो दूसरे उत्पाद फायदा दिला सके ऐसी फसलों की भी खेती होनी चाहिए। हमारी सरकार को दूसरी फसलों के लिए भी योजना बनानी चाहिए। इसी के साथ किसानों को भी इसके लिए तैयार करना पड़ेगा। दूसरी फसलों के लिए असल में सरकार के पास कोई योजना नहीं है। अपने राज्य में मक्के की जितनी जरूरत है, उतना उत्पादन नहीं होता है। इसमें पानी भी कम लगता है। सोयाबीन की बात करें तो अपना राज्य में 30 हजार टन ही उत्पादन होता है जबकि इसकी डिमांड इससे बहुत ज्यादा है।

सब्जी की खेती भी फायदेमंद : देवेंद्र कुमार तिवारी

एरिज एग्रो लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग कंट्रोलर देवेंद्र कुमार तिवारी ने कहा, छत्तीसगढ़ में भी धान की फसल ज्यादा होती है यह अलग बात है लेकिन सब्जी की खेती भी फायदेमंद है कहा जाए तो गलत नहीं होगा। अपने राज्य के टमाटर कई देशों में जाते हैं। उन्होंने खाद को लेकर कहा, किसानों का खाद का उपयोग कैसे करना है, यह देखना चाहिए। किसानों को मिट्टी की पहचान होनी चाहिए। मिट्टी की पहचान होने पर खाद का सही उपयोग होगा। हर फसल के पोषक तत्वों की जरूरत अलग-अलग होती है। फसल में सही खाद का उपयोग न होने से उसका स्वाद भी बदल जाता है।

किसानों को मौसम की जानकारी जरूरी : एसके मिश्रा

इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क के सीईओ डॉ. एसके मिश्रा ने कहा, फूड पार्क के लिए रा मटेरियल जरूरी है। छत्तीसगढ़ में 30 हजार हेक्टेयर में टमाटर की फसल होती है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि बड़े किसानों को तो मौसम की जानकारी होने पर उनके साथ समस्या नहीं होती, लेकिन छोटे किसानों को मौसम की जानकारी न मिलने के कारण उनकी फसल खराब हो जाती है। छोटे किसानों तक भी मौसम की जानकारी पहुंच सके इसकी व्यवस्था होनी चाहिए।





सुगंधित धान की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि देने की मांग

कृषि संवाद में उठी किसानों की समस्याएं, धान खरीदी से लेकर फसल बीमा तक सुधार की मांग



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कृषि संवाद कार्यक्रम में किसान संगठनों और भाजपा-कांग्रेस के किसान मोर्चा के नेताओं ने धान खरीदी की टोकन व्यवस्था, समर्थन मूल्य, फसल बीमा, जैविक खेती और खाद-बीज की उपलब्धता से जुड़े मुद्दे उठाए। नेताओं ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नीतियों में सुधार, फसल नुकसान पर पर्याप्त मुआवजा और मैदानी परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की जरूरत बताई।

किसी ने मंडियों में समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग की, तो किसी ने किसानों को जैविक खेती और उन्नत किस्मों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब देते हुए इन किसान नेताओं ने कई सुझाव भी दिए।

धान खरीदी, टोकन व्यवस्था में करें सुधार: अभिषेक मिश्रा

छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा, प्रदेश में किसानों के धान खरीदी व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। टोकन व्यवस्था को देखें, तो दो एकड़ के किसान को 1 और दस एकड़ की खेती करने वाले किसान को दो टोकन दिया जाता है। 60 प्रतिशत से अधिक सीमांत किसानों रकबा 2.5 एकड़ का होता है। एक बार में किसान पूरा धान नहीं ला सकता, अतः टोकन व्यवस्था में सुधार की ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल चक्र परिवर्तन की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि सभी किसानों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, लेकिन गन्ना किसानों को छोड़ दिया गया है। यहां पर कृषि मंत्री बैठे हैं, वे इस ओर भी ध्यान दें।

मंडियों में किसानों के उपज की समर्थन मूल्य में हो खरीदी : तेजराम विद्रोही

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही ने कहा, किसानों की समस्याओं के लिए संवाद आवश्यक है। हमने किसानों की समस्याओं के लिए कई बार कृषि मंत्री से समय मांगा पर समय नहीं मिला। वे आज कृषि संवाद कार्यक्रम में उपस्थित हैं। उन्होंने कहा, जनदर्शन की तरह जिला स्तर पर किसानों की समस्याओं के लिए जनदर्शन का आयोजन होना चाहिए।उन्होंने कहा किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य में कभी भी बेच सके इसकी व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। कृषि अधिनियम 1972 की धारा 36 (3) के प्रावधानों के बारे में उन्होंने बताया कि इसमें पहले से प्रावधान है। प्रदेश के मंडियों में बोली के माध्यम से उपज की खरीदी होती है, इसमें समर्थन मूल्य पर ही बोली शुरू हो सरकार इसकी व्यवस्था करें। उन्होंने कहा, कि ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली मिल सके, ताकि किसानों को सिंचाई में कोई दिक्कत न हो।

फील्ड में उतर कर अधिकारी बनाएं नीति: माधो सिंह

माधो सिंह प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान संघ ने कहा कि प्रदेश में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की प्रावधान रखा गया है। पूरे प्रदेश में धान का उत्पादन अलग-अलग है। जशपुर-सरगुजा में प्रति एकड़ 12 क्विंटल उत्पादन होता है। अफसर मंत्रालय में बैठकर यह तय कर लेते हैं। उन्होंने मांग की मैदानी स्थिति की पूरी जानकारी लेने के बाद निर्णय लिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, हमारा संगठन संगठनात्मक, रचनात्मक और आंदोलन की गतिविधि पर जोर देता है। उन्होंने कहा, जैविक खेती की ओर ध्यान देना चाहिए। संघ की ओर से गौवंदन की योजना बनाई है, इसके तहत हर किसान के पास एक गाय होगी। संघ जल संरक्षण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी काम करता हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों को गाय के चारे के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। गाय बंधेगी तभी नस्ल में सुधार होगा और किसानों में समृद्धि आएगी।

हमारे किसान आत्मनिर्भर बनें: आलोक सिंह

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ने कहा, सरकार किसानों के उत्थान पर लगातार ध्यान दे रही है। लिए खाद और बीज उपलब्ध कराने के पूरे प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने धान खरीदी में टोकन की अव्यवस्था से इंकार करते हुए कहा, इस पर सुधार किया गया है। बीज के मामले में हमारे किसान पहले आत्मनिर्भर होते थे, अब कंपनियों और सरकार पर डिपेंड हो गए हैं। पहले गांव, कोठार और कोठी होता था, इसे पुर्नजीवित करने की आवयकता है। उन्होंने कहा, होमुर्ज के रास्ते बंद होने के कारण इस साल खाद की दिक्कत हुई, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार ने इसे समान्य बनाने की कोशिक की है।किसान आत्मनिर्भर बने इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

मुआवजा कम होने से बीमा नहीं कराते किसान: भूपेंद्र दुबे

युवा प्रगतिशील किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र दुबे ने कहा, प्रदेश में किसानों की स्थिति अच्छी नहीं है। सरकार किसानों का धान समर्थन मूल्य में खरीदती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सुगंधित धान की खेती करने वाले किसानों को धान बेचने पर 2 से 4 सौं रुपए का प्रोत्साहन किसानों को देना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रदेश में उन्नत किस्म के धान की खेती करने वाले किसानों की संख्या में कमी है, उसे इससे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को अपनी उपज बेचने बिचौलियों के पास जाना पड़ता है। जब उपज का रेट कम होता है तब वह फुड पार्क को देता है। सभी जिलों में मेगा फुड पार्क में उपज पहुंचाने के लिए किसानों को परिवहन की राशि दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, बीमा राहत सभी किसानों को मिलना चाहिए सब्जी उत्पादक किसान बीमा इसलिए नहीं कराता कि उन्हें नुकसान की भरपाई ठीक से नहीं होती। उन्होंने उदाहरण किया कि एक एकड़ में केले की खेती के लिए किसान को एक लाख का खर्च आता है। फसल नुकसान होने पर उसे 10 हजार रुपए बीमा की राशि मिलती है।

नकली पेस्टीसाइड बेचने वाली 14 कंपनियों पर अभियोजन, दो साल की सजा का प्रावधान



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कृषि संवाद कार्यक्रम में कृषि की ओर से बाजार में बिकने वाले नकली बीज और पेस्टीसाइड और अमानक कृषि आदान बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। संचालक कृषि राहुल देव ने बताया कि बिना पंजीयन डी-ग्रेड पेस्टीसाइड बेचने वाली 14 कंपनियों के खिलाफ अभियोजन दर्ज किया गया है। धारा 31 के तहत की गई इस कार्रवाई में दो साल तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इस साल नकली उर्वरक के मामलों में भी पिछले साल की तुलना में 15 गुना अधिक कार्रवाई की गई है।

बंजर पड़ी जमीनों पर हो रही पॉम ऑयल की खेती : लोकेश चंद्राकर

उद्यानिकी संचालक लोकेश चंद्राकर ने कहा, कृषि और उद्यानिकी विभाग समन्वित प्रयास कृषि का रकबा बढ़ा है। उद्यानिकी फसलों में 40-50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है। किसानों की बंजर भूमि जो खाली पड़ी थी, उसमें भी अब पॉम ऑयल की खेती कर किसान लाभ ले रहे हैं। अधिकांश किसान सब्सिडी का पूरा उपयोग की अच्छा लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा, दिखाने के लिए कागज पर सब्सिडी लेने जैसी बात अब नहीं रही। मंडियों में भी सब्जियां किसान ले जा रहे हैं।

लैंड लिजिंग पॉलिसी बनाने पर हो विचार : शीतांशु शेखर

शीतांशु शेखर, महाप्रबंधक नाबार्ड ने कहा, छत्तीसगढ़ में खरीफ बेस्ड कृषि होती है। पंजाब के बाद छत्तीसगढ़ धान उत्पादन में आगे है। रबी और खरीफ में 123 मिलियन खेती हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रबी के फसल को प्रमोट करने की आवश्यकता है। रबी में दलहन-तिलहन की खेती और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के किसान खेती के लिए ऋण कम लेते हैं। प्रदेश के 1.1 प्रतिशत किसान ही खेती के लिए ऋण लेते हैं। सरकार द्वारा शून्य प्रतिशत में ऋण उपलब्ध कराने के बाद नहीं लेते। उन्होंने लैंड लिजिंग पॉलिसी बनाने पर जोर दिया, इससे बटाईदार किसानों को ऋण आसानी से मिल सकेगा।

नकली पेस्टीसाइड बेचने वालों पर अभियोजन : राहुल देव

संचालक कृषि राहुल देव ने कहा, कृषि को अधिक लाभप्रद बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में फसल चक्र परिवर्तन लाने के बाद दलहन के रकबे में 70-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं तिलहन की फसल में 30 प्रतिशत तक वृद्धि देखने में आई है। कोदो, कुटकी, रागी की फसल लेने पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ का प्रोत्साहन किसानों को दिया जा रहा है। 2 लाख हेक्टेयर से अधिक पंजीकृत हैं। 350 बरोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि किसानों को दिया जा रहा है। उन्होंने नकली बीज और खाद की खपत को लेकर कहा कि इससे इंकार नहीं करता, विभाग ने इसके लिए प्रभावी कार्यप्रणाली बनाई है। इस साल नकली फर्टिलाइजर के मामले में 15 गुना अधिक कार्रवाई की गई है। डी-ग्रेड पेस्टीसाइड बेचने के मामले में 14 ऐसी कंपनियों पर अभियोजन दर्ज किया गया है, जो पंजीकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि धारा 31 के तहत यह कार्रवाई की गई है, जिसमें दो साल की सजा का प्रावधान है।

सरकार से इक्यूबेशन सेंटर बायो इकाई यूनिट की मांग : कुलपति

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति गिरीश चंदेल ने कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले लाइलीवुड बेस कृषि होती थी। अब यह कमर्शियल हो गई है। व्यावसायीकरण में उत्पादन बढ़ाकर लाभ कमा रहे हैं। आज स्टार्टअप, ईको सिस्टम, एआई के जरिए किसानों के उत्पादन को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने बताया कि विवि के 265 छात्रों ने मछलीपालन के क्षेत्र के स्टार्टअप के माध्यम से 5 लाख के उत्पादन को बढ़ाकर 50 लाख तक कर लाभ कमाने का कार्य किया। हाइब्रिड सीड ऑथेंटिक टेस्टिंग का कार्य विवि द्वारा किया जाता है। बीज निगम में 15 प्रतिशत राशि इसके लिए रखी जाती है। उन्होंने बताया कि नगरी के दुबराज और सरगुजा के जीरा राइस की जीआई टेगिंग किया गया है। राइस मिलरों के माध्यम से महिलाओं के समूह का धान 50-60 रुपए क्विंटल में खरीद कर 165 रुपए किलो तक बिक रही है। विवि द्वारा क्वालिटी सीड देने ब्रिडर सीड बनाने के प्रयास में हैं। क्लाइमेट चेंज और अन्य बातों का इसके एरोमा के समय ध्यान दिया जाता है। विवि में एपिडा लैब भी यहां पर है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

शुभम के मार्ट®
शॉपिंग करो खुलके, पैसे बचाओ जमके!

जितना ख़रीदो उतना मुफ्त पाओ.

केवल 16 अक्टूबर से
31 अक्टूबर, 2026 तक

आज ही खरीदारी करें और मुफ्त शॉपिंग जीतने का मौका पाएँ!

बिल ड्रॉप बॉक्स में डालें और जीतें ₹10,000 तक की मुफ्त शॉपिंग! हर स्टोर से रोज़ 5 विजेता, ड्रॉ शाम 5 बजे

अधिक जानकारी के लिए अपने निकटतम स्टोर पर विज़िट करें

शुभम के मार्ट®
शॉपिंग करो खुलके, पैसे बचाओ जमके !

"गिफ्ट्स के साथ दिवाली की खुशियां होंगी दोगुनी!"

फेस्टिव & कॉर्पोरेट गिफ्ट्स, गिफ्ट वाउचर उपलब्ध है
91091 99110



हल्दीराम भुजिया सेव 1 KG

MRP ₹290 शुभम मूल्य ₹209

हल्दीराम आलू भुजिया 1 KG

MRP ₹250 शुभम मूल्य ₹197

हल्दीराम खट्टा-मीठा 1 KG

MRP ₹245 शुभम मूल्य ₹199

हल्दीराम ड्राई फ्रूट बेसन लड्डू 800 GM

MRP ₹690 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम फेस्टिव पेटिसा 800GM

MRP ₹625 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम डबल धमाका 530 GM

MRP ₹599 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम मिनी सोन केक इलाइची फ्लेवर 200 GM

MRP ₹99 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम मेलजोल 325 GM

MRP ₹329 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम पतीसा 400 GM

MRP ₹280 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम फेस्टिव लड्डू 700 GM

MRP ₹725 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम ड्राई फ्रूट बेसन लड्डू 400 GM

MRP ₹350 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम काजू कतली 325 GM TIN PACK

MRP ₹749 BUY 1 GET 1 FREE

हल्दीराम रसगुल्ला 1 KG

MRP ₹225 शुभम मूल्य ₹179

हल्दीराम गुलाब जामुन 1 KG

MRP ₹240 शुभम मूल्य ₹189

हल्दीराम सोन पापड़ी 500 GM

MRP ₹135 शुभम मूल्य ₹109

आकाश स्वीट डिलाइट 400 GM

MRP ₹240 BUY 1 GET 1 FREE

नाकोडा काजू कतली 325 GM / 400 GM

MRP ₹599 BUY 1 GET 1 FREE

मिठाई मैजिक कॉम्बो 2 KG

MRP ₹490 BUY 1 GET 1 FREE

शुभ प्रीमियम सोन पापड़ी 250 GM

MRP ₹99 BUY 1 GET 1 FREE

शुभ प्रीमियम गुलाब जामुन 1 KG

MRP ₹310 BUY 1 GET 1 FREE

शुभ प्रीमियम रसगुल्ला 1 KG

MRP ₹290 BUY 1 GET 1 FREE

शुभ प्रीमियम बेसन लड्डू 400 ग्राम

MRP ₹230 BUY 1 GET 1 FREE

सुंदर नदियादी मिक्सचर 700 GM

MRP ₹250 शुभम मूल्य ₹99

सुंदर सुरती मिक्सचर 700 GM

MRP ₹250 शुभम मूल्य ₹99

सुंदर गार्लिक मिक्सचर 700 GM

MRP ₹175 शुभम मूल्य ₹99

नाकोडा सदाबहार मिक्सचर 750 GM

MRP ₹240 शुभम मूल्य ₹99

शुभ प्रीमियम आलू भुजिया 1 KG

MRP ₹390 शुभम मूल्य ₹185

नमकीन मैजिक भुजिया सेव 800 GM

MRP ₹320 शुभम मूल्य ₹149

शुभ प्रीमियम भुजिया सेव 1 KG

MRP ₹399 शुभम मूल्य ₹189

नकोडा रसगुल्ला 1 KG

MRP ₹240 शुभम मूल्य ₹109

बिग प्लास्टिक्स सीज़न्स कैसरोल 1200

MRP ₹280 शुभम मूल्य ₹99

वीर रॉयल 6 पीस SS डिनर सेट

MRP ₹599 शुभम मूल्य ₹199

लिज़ा गॉरमेट 2 पीस सेट (बोतल + लंच बॉक्स)

MRP ₹860 शुभम मूल्य ₹399

एरिस्टोक्रेट केबिन ट्रॉली 55 cm

MRP ₹10000 शुभम मूल्य ₹1399

टिब्रॉस 32 पीस रेगालिया डिनर सेट

MRP ₹1999 शुभम मूल्य ₹999

एरिस्टोक्रेट डफ़ल बैग + गिफ्ट बॉक्स नीला

MRP ₹1750 शुभम मूल्य ₹699

बिग प्लास्टिक्स सेलिब्रेशन गिफ्ट पैक केसरोल और कैसरोल का 2 पीस सेट

MRP ₹975 शुभम मूल्य ₹449

काजू (W400) 500GM

MRP ₹700 शुभम मूल्य ₹559

शुभ बादाम 500GM

MRP ₹700 शुभम मूल्य ₹641

शुभ किसमिस 500GM

MRP ₹480 शुभम मूल्य ₹239

MRP पर कम से कम 9%* डिस्काउंट + एक्स्ट्रा डिस्काउंट

Shubh®
शुभ गिफ्ट हैम्पर

Haldiram's
हल्दीराम गिफ्ट हैम्पर

BIKAJI
बिकाजी गिफ्ट हैम्पर

NAKODA Namkeen • Sweets • Snacks
नकोडा गिफ्ट हैम्पर

Aakash
आकाश गिफ्ट हैम्पर

BC
Chheda's
NUTRAJ PASSION FOR NUTRITION SINCE 1926
SAFFRON THE DRY FRUIT HUB
भीकाराम चांदमल & छेड़ा गिफ्टिंग
नटराज & सैफ्रॉन ड्राईफ्रूट्स गिफ्टिंग

UPTO 60% DISCOUNT

*नियम और शर्तें लागू: यह ऑफर स्टॉक रहने तक ही मान्य है। दिखाए गए उत्पाद चित्र केवल सांकेतिक हैं।

रायपुर स्टोर:

संतोषी नगर • पंडरी • पुरानी बस्ती • श्रीनगर • कोटा • सरोना • कमलविहार • देवेन्द्र नगर • चंगोराभाठा • भाठागांव • अश्विनी नगर • बिरगांव • सड्डू- मेन रोड

सराईपाली • जुनवानी- भिलाई • पलारी • राजनांदगांव • भाटापारा • धमतरी • जैजैपुर • अंजोरा • अकलतरा • नवापारा- राजिम • बालोद

• बेमेतरा • पाटन • बेरला • खरियार रोड • शिवरीनारायण • सिमगा • पोटिया रोड - दुर्ग • अभनपुर • कवर्धा • उतई • खैरागढ़ • डोंगरगढ़

अतिशीघ्र शुभारंभ • जगदलपुर • बलौदाबाज़ार • बिलासपुर • अमलिडीह • कटोरा तालाब

कॉर्पोरेट कार्यालय : शुभम टावर, कमल विहार गेट के सामने, डुमरतराई, रायपुर, छत्तीसगढ़

• छत्तीसगढ़ • राजस्थान • गुजरात • ओडिशा • महाराष्ट्र

कस्टमर केयर हेल्पलाइन नंबर : +91 91091 99110

FOLLOW US ON:
shubhamkmartofficial | Shubham K Mart | @shubhamkmart2926

नियम एवं शर्तें लागू: सभी ऑफर सूचना के बिना बदलाव के अधीन हैं | ऑफर स्टॉक रहने तक। दिखाये गए उत्पादों के ग्राफिक्स केवल सांकेतिक मात्र है | ऑफर स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं | सभी मदभेद केवल रायपुर अदालत के अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं | सभी क्रेडिट, डेबिट एवं यूपीआई से भुगतान स्वीकार किये जाते हैं |

फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाट की वारदातों से समूची दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इसके पीछे अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तों को जिम्मेदार मानते हैं। इस हिंसक विरोध आंदोलन की कड़ियां भारत तक जुड़ गई हैं। इसमें विदेशी संगठनों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है। यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। भारत ने जिस तरह से हालिया प्रदर्शनों को नियंत्रित किया है, उस पर टिप्पणी को लेकर मानवाधिकार संगठनों का छद्म छलावा प्रदर्शित होता है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

फ्रांस से उठा यूरोप में फैला हिंसक तूफान



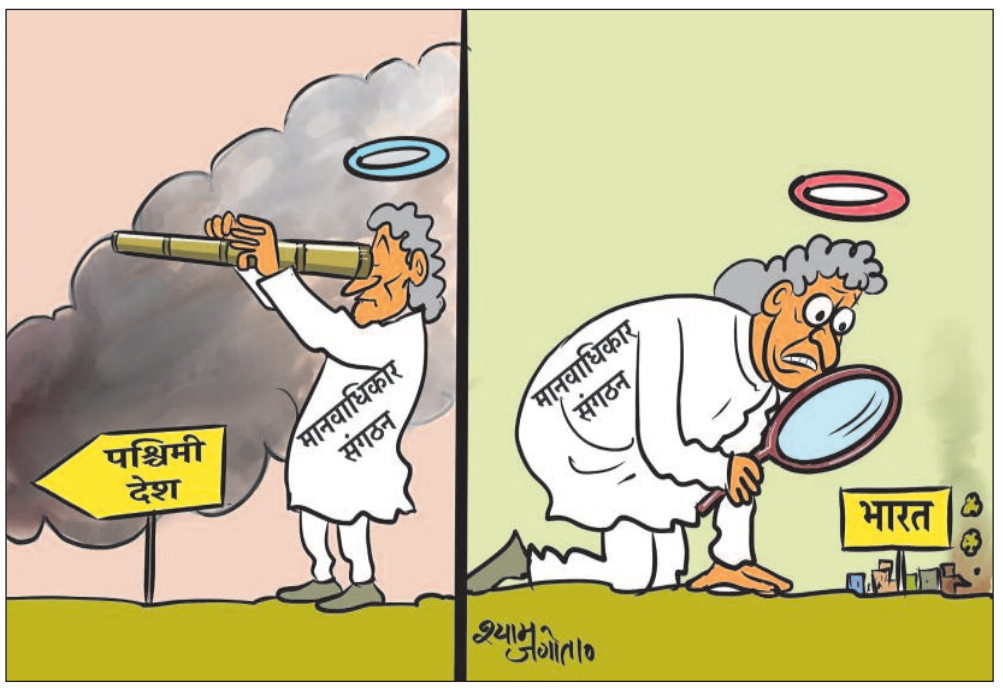
विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

संपूर्ण दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है, जबकि फ्रांस की राजधानी पेरिस और आसपास के नगरों की सार्वजनिक इमारतों से उठती हुई विनाशकारी अग्नि ज्वालाओं का दुनिया ने दीदार किया। फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाटों ने फ्रांस का ही नहीं, वरन् समूची दुनिया के दिल को हिला कर रख दिया है। इंतहा तो तब हो गई, जब पेरिस से उठा हिंसककारी आंदोलन अल्बानिया, इटली, स्पेन, सर्बिया आदि यूरोप के अनेक देशों में भी फैल गया है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फ्रांस में अंजाम दी गई हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ट्रंप ने अपने मतदाताओं को खबरदार करते हुए फरमाया कि बस आप फ्रांस को देख लीजिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि फ्रांस का पेरिस नगर बहुत जल्दी एक मुस्लिम बहुल नगर बन जाएगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान को बेहूदा और एकदम गलत बताया। यह कहना कि फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों की भारी भीड़ ने फ्रांस पर हमला किया है, डोनाल्ड ट्रंप की यह बात पूरी तरह से बेबुनियाद और सरासर झूठ है। मैक्रों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव अभियान के लिए हमारे देश के विद्यार्थी आंदोलन के विषय में एकदम झूठ बोल रहे हैं। फ्रांस में हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस की अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तें जिम्मेदार हैं। 16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं।



16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। कुछ ही दिनों में आंदोलन तेजी से फ्रांस में

फ्रांस में आपातकाल घोषित होने के आसार

वामपंथी शक्तियां बेहद खराब शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और कमरतोड़ महंगाई को इस अत्यंत हिंसक आंदोलन के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं। 17 अक्टूबर को फ्रांस की राजधानी पेरिस के प्रदर्शन स्थल प्लाजा द ला रिपब्लिक पर तकरीबन आठ लाख लोग वस्तुतः बढ़ती हुई महंगाई और अच्छी सरकारी शिक्षा के लिए शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए थे। किंतु काले कपड़ों में कुछ नकाबपोश एक्टिविस्टों के एक गिरोह के आने के बाद शांतिपूर्ण प्रदर्शन अत्यंत हिंसक हो उठा। अभी तक तकरीबन पांच हजार उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री लेकोर्नो द्वारा भयानक हिंसा के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। भयानक हिंसा के तांडव तत्पश्चात राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा बयान जारी किया गया कि फ्रांस में आपातकाल नाफिज किया जा सकता है। फ्रांस के गृहमंत्री लारा न्युनेज ने कहा है कि पेरिस के अनेक नगरों में हिंसक विरोधी प्रदर्शन के बाद हालात दंगा नियंत्रक पुलिस के नियंत्रण से बाहर निकल गए। गृहमंत्री द्वारा भी हिंसक दंगों के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। फ्रांस में प्रदर्शनों का दौर जारी है। राष्ट्रपति मैक्रों की सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए तैयार है।

6 माह बाद फ्रांस में होंगे चुनाव

ये सभी मेहनतकश किसानों और मजदूरों के बच्चों के सरकारी स्कूल हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिनों में हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आंदोलन बहुत तेजी के साथ संपूर्ण फ्रांस में विस्तारित हो गया। हाई स्कूल के विद्यार्थियों के आंदोलन में फ्रांस की यूनिवर्सिटियों के विद्यार्थी भी शामिल होने लगे और अमीरों के स्कूलों के विद्यार्थी भी इस आंदोलन को अपना समर्थन प्रदान करने के लिए सड़कों पर आ गए। फ्रांस के मजदूरों की ट्रेड यूनियन्स भी आंदोलन में शामिल हो गई। विद्यार्थी आंदोलन का मुकाबला करने के लिए दंगा नियंत्रक पुलिस फोर्स भेजी गई। क्योंकि ये कहीं-कहीं आंदोलन हिंसक होने लगा था। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष 6 महीनों के बाद फ्रांस में राष्ट्रपति के चुनाव आयोजित होने वाले हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला वामपंथी और दक्षिणपंथी उम्मीदवारों के बीच होना है। राष्ट्रपति पद की प्रबल दावेदार हैं प्रवासी विरोधी अति राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी मरीन ले पेन और पूंजीवाद के घोर विरोधी वामपंथी उम्मीदवार जीन ल्यूक मेलेचोन।

राजनीतिक दल भी शामिल

फ्रांस के राजनीतिक दल भी इस हिंसक बन चुके आंदोलन में शामिल होकर अपने-अपने लिए सुर्खियां बटोरने की होड़ में जुटे हुए हैं। इस वक्त फ्रांस में हिंसक तांडव अत्यंत तीव्रता के साथ बढ़ रहा है। फ्रांस के आंदोलन में जारी भयानक आगजनी और हिंसक तांडव फ्रांस के वर्तमान इतिहास में सबसे खराब घटनाओं में से एक रहा है। फ्रांस में हिंसक तनाव राजनीति के गलियारों से लेकर सड़कों तक तांडव करता नजर आ रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मुख्यालय एलिसी पैलेस के अनुसार देश के गृहमंत्री लॉरेंट न्युनेज ने अपना त्यागपत्र देने की पेशकश की थी, जिसे राष्ट्रपति ने अस्वीकार कर दिया और फरमाया कि फ्रांस की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए और भयानक हिंसा के दोषी अपराधियों को इंसाफ के कठघरे में लाने के लिए सख्त तौर तरीके अख्तियार किए जाएं। फ्रांस की हुकूमत के मुताबिक तकरीबन दो हजार दुकानों और व्यवसायों में आगजनी और लूटपाट अंजाम दी गई है। दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे गए। वाटर कैनन की बौछारें की गई। जगह-जगह पर पुलिस को उपद्रवी भीड़ को लाठियां से पीटते हुए देखा गया।

मैक्रों की नीतियों की आलोचना

कहीं भी फ्रांस की दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक उपद्रवियों पर गोलियां नहीं दागी गई। सिर्फ एक व्यक्ति के हताहत होने का समाचार है। फ्रांस के गृहमंत्रालय के अनुसार 17 अक्टूबर को लगभग एक हजार पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हुए। जिसमें सात की हालत बहुत गंभीर है। विश्व पटल पर प्रख्यात पर्यटक सिटी ऑफ़ लाइट पेरिस में आजकल दुर्भाग्यवश अंधकार छाया हुआ है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पेरिस के कुछ हिस्सों में और कुछ अन्य शहरों में कर्फ्यू नाफीज कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय एकता और शांति बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रपति द्वारा फ्रांसीसी जनता को आश्वासन देने का प्रयास किया गया कि हिंसा के दोषियों को कानून द्वारा कठोरतापूर्वक दंडित किया जाएगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों की जमकर आलोचना भी की जा रही है। कहा जा रहा है कि उनके शासनकाल के दौरान फ्रांस के हालात बद से बदतर होते गए हैं। फ्रांस की दक्षिणपंथी शक्तियां मध्यमार्गी राष्ट्रपति मैक्रों की फ्रांसीसी हुकूमत को उसकी विनाशकारी प्रवासी नीतियों के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं

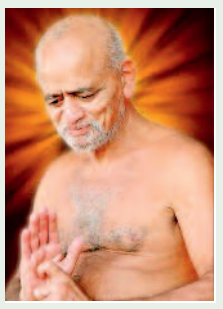
विश्व की विरल विभूति संत शिरोमणि युगाचार्य विद्यासागर महाराज



विशेष

डॉ. भागचंद जैन

परम तपस्वी, बहुभाषाविद, पंचम काल में चतुर्थ कालीन चरित्रधारी, छोटे बाबा के नाम से आराध्य, अहिंसक धर्म प्रभावक, संत शिरोमणि, युगाचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज विश्व की विरल विभूति हैं। वे वैराग्य के प्रतीक ही नहीं, प्रतिरूप हैं। वे चलते-फिरते तीर्थ हैं। आचार्यश्री का जहां-जहां विहार हुआ, चातुर्मास हुआ-वहां की धरती पावन हो गई। शरद पूर्णिमा 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक प्रांत के बेलगांव जिले के सदलगा की धरती धन्य हो गई, जब पूज्य माताश्री ने अद्भुत ज्ञान के सागर, आगम के प्रकाशक, विद्वत्ता, प्रतिभा, उदारता, वात्सल्य की प्रतिमूर्ति, बालक विद्याधर को जन्म दिया। धर्मप्रेमी, परोपकारी, करुणा के धनी श्री मल्लप्पा जी अष्टगे को पिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बचपन में इन्हें पिल्लू मरी, मिनी आदि नामों से पुकारा जाता था। इनके बड़े भाई श्री महावीर प्रसाद और छोटे भाई हृदयश्री अनंतनाथजी एवं श्री शांतिनाथजी हैं। जो वर्तमान में उनके संघ में श्री 108 श्री मुनि योगसागरजी एवं श्री 108 श्री आचार्यश्री समयसागर जी महाराज के नाम से तपस्यारत हैं और जन-जन का कल्याण कर रहे हैं। आचार्यश्री के पूज्य पिता श्री मूलचंद जी एवं पूज्य माता आचार्यश्री धर्मसागर जी महाराज से क्रमशः मुनि दीक्षा और आर्यिका दीक्षा लेकर सांसारिक बंधनों से मुक्त हो लीं थीं और मोक्ष मार्ग का रास्ता अपना लिया था। आचार्यश्री की दोनों बहनें सुमन और शांति भी मोक्ष मार्ग पर अग्रसर हैं। भारत में सदियों से जैन परंपराएं हैं, जिनकी रक्षा के लिए आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज की प्रेरणा से देशभर में तीर्थ-क्षेत्र स्थापित किए गए हैं। श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलगुर, मान्याखेट, तीर्थ सागर, सर्वसिद्ध क्षेत्र, चंद्रगिरि (डोंगरगढ़), तीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी, पिसनहारी की मढ़िया (जबलपुर), नसीराबाद, केशरगंज, किशनगढ़ (राजस्थान), सुखसागर, आहारजी, नेमावर, गोम्मटगिरि, बीना-बारहा, पपौरा जी, सोनागिरि, इंदौर (गिरि द्वार) जैसे तीर्थ स्थानों का स्वरूप बदला है। आचार्यश्री के विचारों से धर्म प्रभावना देश में ही नहीं बल्कि विदेशों तक पहुंची है। (3)आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज देश की विख्यात विभूति हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश के विंध्याचल के समीप तीर्थंकर श्री शांतिनाथजी की जन्मभूमि का पता लगाया है। आचार्यश्री के कर-कमलों से बड़े बाबाजी की कुण्डलपुर में विशाल पद्मासन प्रतिमा उठाई गई, जिसे उठाने में क्रेनें भी सफल नहीं हुई थीं। आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के वर्ष 2011, 2012 और 2023 में श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर (दमोहगढ़) में चातुर्मास हो चुके हैं। जैन तीर्थ चंद्रगिरि में जलसंकट की स्थिति थी, जहां आचार्यश्री के आशीर्वाद से पानी आ गया था। संसार में 18 फरवरी 2024 को प्रातः आचार्यश्री ने देह त्याग कर दिया तथा वे विदेह क्षेत्र चले गए। जैन तीर्थ चंद्रगिरि में आचार्यश्री की समाधि का निर्माण हो रहा है। इस समाधि की परिक्रमा करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अनेक बीमारियों से मुक्ति मिलती है।



एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार



दिखावा

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं।

विरोध-प्रदर्शनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क



रिपोर्ट

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया के अलग-अलग देशों में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों के बीच क्या कोई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भी काम कर रहा है? क्या कुछ विदेशी संगठन स्थानीय असंतोष को साझा राजनीतिक अभियान का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं? और क्या इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है।

रिपोर्ट में फ्रांस में छात्र आंदोलनों और भारत में हुए राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के बीच कथित संबंधों का उल्लेख किया गया है। इसमें इंडियन एलायंस पेरिस (आईएपी) नामक संगठन का भी जिक्र है। हालांकि, रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों और स्वतंत्र रूप से प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है। फॉक्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विभिन्न देशों में सक्रिय 101 संगठन विरोध-प्रदर्शनों के आयोजन, उनके प्रचार या उनके संदेशों को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में जुड़े हुए हैं। इस कथित नेटवर्क में वामपंथी और समाजवादी समूहों, छात्र संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया मंचों तथा राजनीतिक सक्रियता से जुड़े संगठनों की भूमिका है। इस दावे का आधार यह है कि अलग-अलग देशों में होने वाले आंदोलनों के बीच सोशल मीडिया संदेशों, सार्वजनिक बयानों, संगठनों के आपसी संपर्क और एकजुटता अभियानों के माध्यम से संबंध बनते दिखाई देते हैं। फ्रांस में छात्रों के आंदोलनों और भारत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस्तीफे की मांग से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों का संदर्भ इसी सिलसिले में सामने आया है। यहां एक महत्वपूर्ण सवाल है। क्या विरोध-प्रदर्शनों के बीच वैचारिक समानता, साझा संदेश या अंतरराष्ट्रीय समर्थन अपने आप में किसी गुप्त साजिश का प्रमाण है? ऐसे संबंध किसी संगठित राजनीतिक अभियान की मौजूदगी का संकेत दे सकते हैं, लेकिन उनसे यह स्वतः सिद्ध नहीं होता कि संबंधित संगठन किसी चुनी हुई सरकार को गिराने या विरोध-प्रदर्शन शुरू कराने की योजना चला रहे हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में इंडियन एलायंस पेरिस को फ्रांस में सक्रिय भारतीय मूल के छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा संगठन बताया गया है। इस संगठन ने फ्रांस प्रदर्शनों से संबंधित संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया और भारत तथा फ्रांस में युवाओं के आंदोलनों के बीच समानताओं को रेखांकित किया। रिपोर्ट में न्यूयॉर्क स्थित पीपुल्स फोरम और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल का भी उल्लेख किया गया है। इन संगठनों और कुछ अन्य समूहों के बीच संपर्कों को आधार बनाकर यह सवाल उठाया गया है कि क्या अलग-अलग देशों के आंदोलनों को साझा राजनीतिक दिशा देने की कोशिश हो रही है। इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना या सोशल मीडिया पर संदेश साझा करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है। इसके लिए वित्तीय लेन-देन, निर्देशों, संगठनात्मक नियंत्रण और वास्तविक गतिविधियों से जुड़े ठोस साक्ष्यों की जरूरत होती है। इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू विदेशी वित्त पोषण है। रिपोर्ट में अमेरिकी कारोबारी नेविल रॉय सिंघम और उनसे जुड़े कुछ संगठनों का उल्लेख किया गया है। इस विषय पर विचार करते समय लोकतंत्र के दो बुनियादी सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा। पहला, चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए विदेशी धन, गुप्त निर्देशों या गैरकानूनी हस्तक्षेप का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। यदि ऐसे हस्तक्षेप के प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। आवश्यक है कि किसी भी रिपोर्ट में किए गए दावों की जांच दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड, प्रत्यक्ष साक्ष्यों और संबंधित संगठनों के जवाबों के आधार पर की जाए। यह भी देखना चाहिए कि संगठनों के बीच संबंध केवल वैचारिक समर्थन और प्रचार तक सीमित हैं या वास्तव में किसी देश की राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए निर्देशित गतिविधियां संचालित की गई हैं।



इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है।

समय पर संवाद और समाधान जरूरी



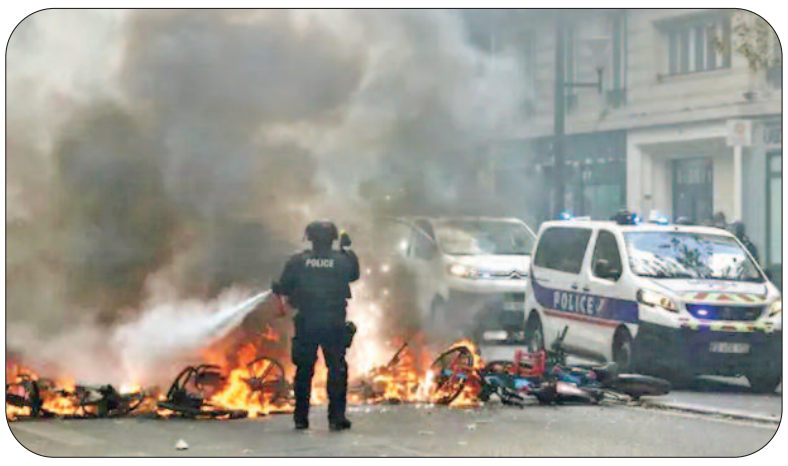
मंथन

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता की आवाज बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जब सरकारें जनभावनाओं को अनसुना करती हैं, नीतियों से असंतोष बढ़ता है या लोगों को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा तब सड़कों पर उतरकर विरोध करना स्वाभाविक है। जब यही विरोध हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव का रूप ले लेता है, तो सवाल केवल प्रदर्शनकारियों के उद्देश्यों का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और कानून के शासन का भी बन जाता है। यूरोप के विभिन्न देशों में समय-समय पर हुए हिंसक प्रदर्शनों से भारत को भी कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। हालांकि यूरोप एक समान राजनीतिक या सामाजिक इकाई नहीं है।

फ्रांस में पेंशन सुधारों के विरोध, किसानों के आंदोलन, ब्रिटेन में दंगों और अन्य देशों में आर्थिक असंतोष से जुड़े प्रदर्शनों की परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। इसलिए हर घटना को एक ही नजरिये से देखने के बजाय उसके कारणों और परिणामों को समझना आवश्यक है। हिंसक प्रदर्शनों का पहला सबक यह है कि जन-असंतोष को समय रहते समझना और उसका समाधान करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, किसानों की समस्याएं, सामाजिक भेदभाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे मुद्दे लोगों में नाराजगी पैदा कर सकते हैं। यदि नागरिकों को लगता है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहरा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। यहां भाषाई, धार्मिक, जातीय, क्षेत्रीय और आर्थिक विविधता के कारण अलग-अलग वर्गों की अपेक्षाएं भी अलग हैं। सरकारों को चाहिए कि वे नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन में जनसंवाद को प्राथमिकता दें। समय पर संवाद और शिकायतों का समाधान कई बार उस स्थिति को पैदा होने से रोक सकता है, जिसमें सामान्य विरोध उग्र हो जाता है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि हर हिंसक घटना का कारण सरकारी नीतियों की विफलता ही नहीं होता। अफवाहें, संगठित उकसावे, आपराधिक तत्व और राजनीतिक ध्रुवीकरण भी परिस्थितियों को बिगाड़ सकते हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि नागरिक सरकार की नीतियों से असहमति जता सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, जुलूस और सार्वजनिक बहस लोकतांत्रिक व्यवस्था के आवश्यक अंग हैं। लेकिन किसी नीति का विरोध करने का अधिकार सार्वजनिक संपत्ति जलाने, दुकानों को लूटने, वाहनों में आग लगाने या आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डालने का अधिकार नहीं बन जाता। यूरोप की हिंसक घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है और भय का वातावरण बनता है। सोशल मीडिया जनसमस्याओं को सामने लाने, लोगों को संगठित करने और प्रशासन तक शिकायतें पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करने, नफरत फैलाने और भीड़ को उकसाने का जरिया भी बन सकता है। यूरोप और भारत, दोनों के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। तनावपूर्ण परिस्थितियों में बिना पुष्टि की गई खबरें आग में घी डालने का काम कर सकती हैं। नागरिकों को किसी भी संदेश या वीडियो को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचनी चाहिए।



यूरोप की हिंसक घटनाएं याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे

यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। आखिरकार किसी भी आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए, उसे हिंसा और अराजकता के हवाले करना नहीं।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

कृषि संवाद में लागत, मुनाफे और बाजार का सवाल
फसल विविधीकरण से लेकर तकनीक तक पर मंथन

खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि किसानों को सही फसल के चयन, गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज, आधुनिक तकनीक, सिंचाई, प्रसंस्करण और उपज के उचित बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसी चुनौती पर हरिभूमि-आईएनएच के 'कृषि संवाद 2026' में किसानों, किसान संगठनों, कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, कृषि आधारित उद्योगों, सहकारी संस्थाओं और शासन के प्रतिनिधियों ने मंथन किया। चर्चा में धान पर अत्यधिक निर्भरता कम कर दलहन, तिलहन, मक्का और उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने, रबी के दौरान खाली रहने वाली जमीन का उपयोग करने, नकली खाद-बीज पर कार्रवाई, फसल बीमा में पर्याप्त मुआवजा, छोटे किसानों को बाजार से जोड़ने, कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे।

आईएन-हरिभूमि के कृषि संवाद में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से कृषि मंत्री का संवाद

खेती में फायदे के लिए करनी होगी इंटीग्रेटेड फार्मिंग छोटे सीमांत किसान मिलकर करें काम: नेताम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में किसानों को समन्वित खेती यानी इंटीग्रेटेड फार्मिंग करने की जरूरत है, यह करने से ही किसानों की आय बढ़ेगी और खेती का लाभ मिलेगा। उन्होंने राज्य के छोटे और सीमांत किसानों के लिए कहा कि इन किसानों को आपस में मिलकर सहकारिता के साथ काम करने की जरूरत है। यह करने से फसल की अच्छी क्वालिटी और अधिक उत्पादन मिलेगा, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया तो नुकसान होगा। श्री नेताम ने यह बात शनिवार को आईएनएच हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब में कृषि संवाद कार्यक्रम में कही। उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

- राज्य सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री के रूप में आप काम कर रहें, लेकिन इससे पहले भी आप कई विभागों के मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार जब आपको बताया गया कि कृषि विभाग संभालना है, तो इसे कैसे देखा क्या समझ में आया आपको।
- अपनी बात की शुरुआत करते हुए श्री नेताम ने सबसे पहले आईएनएच हरिभूमि के प्रति आभार जताया कि उन्हें इस मंच पर इतने महानुभवों के साथ विचार साझा करने का अवसर दिया गया। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग संभालना सौभाग्य की बात है, जिन लोगों को ये अवसर मिला है, उनमें से एक मैं भी हूं। कृषि मंत्री होना प्रदेश के किसान भाईयों की आशा और उम्मीद की किरण की तरह होता है।





- पिछली सरकार में भूपेश बघेल मुख्यमंत्री थे, वे खुद को किसान बताते है, उन्होंने नरवा-गरवा -घुरवा बाड़ी सहित कई अन्य कार्यक्रम भी चलाए। उनके काम करने के बाद आपके लिए क्या काम बचा है।
- उन्होंने सपने बेचने का काम किया, इसका खामियाजा छत्तीसगढ़ के किसानों को भुगतना पड़ा। अब हमारे जिम्मे ये जो काम है वह हमारे लिए मौका है। हमारी सरकार ने किसानों को धान का मूल्य 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल दिलाया, 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीद रहे है, किसानों के लिए खाद, बीज से लेकर बाजार की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। किसानों को और अधिक सुविधा कैसे मिले, यह सोच कर विभाग काम कर रहा है, हालांकि ये काम शत प्रतिशत नहीं हुआ है। अगर इतना सब पूरा कर लें तो प्रश्न ही नहीं रहेगा। किसान और कृषि जब तक रहेंगे तब तक उनकी दिक्कतें, पानी, बिजली, खाद, बीज आदि की समस्या रहेगी। लेकिन सरकार की नीति और नीयत साफ है । राज्य में अमानक बीज, खाद बेचने वालों के खिलाफ पहली बार इतनी सख्त कार्रवाई और एफआईआर भी हुई है। किसान को कोई ठगे नहीं, उन्हें उपज की पूरी कीमत मिले यह सोचकर हम काम कर रहे हैं। कोई शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाती है। सरकार किसानों को लेकर संवेदनशील और गंभीर है।
- राज्य में छोटे और सीमांत किसान मिलकर सहकारिता के माध्यम से काम करें, इसके लिए सरकार क्या कर रही है।
- इस दिशा में काम करने के लिए बहुत से एफपीओ बनाए गए हैं। जब तक किसान सहकारिता के आधार पर काम नहीं करेंगे तब तक लाभ नहीं मिलेगा। यह करने के लिए किसानों को इंटिग्रेटेड फार्मिंग करनी होगी। खरीफ और रबी दोनों सीजन में धान की फसल लेंगे तो जमीन की उत्पादकता कम होगी, ये बात हमारे पूर्वज भी बताते थे, यही बात अब वैज्ञानिक भी बताते हैं। इस तरह से जो किसान काम कर रहे हैं तो अच्छी क्वालिटी का अधिक उत्पादन मिल रहा है। लेकिन किसान अगर इस पर ध्यान नहीं देंगे तो नुकसान होगा। ▶▶|शेष पेज 2 पर

गन्ना की सबसे अधिक कीमत छत्तीसगढ़ में, मक्का की कांट्रेक्ट फार्मिंग भी होगी: परदेसी

आईएनएच- हरिभमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ कृषि संवाद में चर्चा



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेसी का कहना है कि छत्तीसगढ़ में गन्ना किसानों को अभी जितनी कीमत मिल रही है, वह देश में सबसे अधिक है। यही नहीं राज्य में मक्का का उत्पादन बढ़ाने की कोशिश के तहत कांट्रेक्ट फार्मिंग की भी शुरुआत की जा रही है। एथेनॉल प्लांट भी लेकर आ रहे हैं और मक्का को मंडी शुल्क से मुक्त करने की तैयारी भी है। श्री परदेसी ने यह बात शनिवार को हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब में कृषि संवाद कार्यक्रम में कही। उनसे हुए चर्चा के प्रमुख अंश।

- *छत्तीसगढ़ की नौकरशाही में मुख्य सचिव के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद कृषि उत्पादन आयुक्त का माना जाता है। ये पद जितना महत्वपूर्ण है उतना ही चुनौती भरा भी है। किस रूप में देखते हैं ये चुनौती।*
- *छत्तीसगढ़ एक कृषि बाहुल्य क्षेत्र है। यहां की अधिकांश योजनाएं कृषि से ही जुड़ी होती हैं। इसलिए ये काम चुनौती पूर्ण है।*
- *इस काम में परेशान कब होते हैं, जब धान का उत्पादन ज्यादा हो जाए या जब कम हो।*
- *हम चाहते हैं पैदावार बढ़े, किसानों की उत्पादकता बढ़े, फसल का विविधीकरण हो। किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले।*
- *फसल चक्र परिवर्तन की बात राज्य गठन के समय से चल रही है, 25 साल बाद भी क्या वजह है कि धान से शुरु होकर धान पर खत्म।*
- *छत्तीसगढ़ में गन्ना, दलहन, तिलहन, और कपास की पैदावार भी होती थी, पीएम आशा योजना में दलहन-तिलहन का रकबा बढ़ा है। धान का रकबा एक प्रतिशत कम हुआ है। किसान धान के अलावा अतिरिक्त अन्य फसल भी ले रहे हैं, इस पर काम चल रहा है।*
- *इस प्रदेश में शुगर फैक्टरियां खोली गईं, सरगुजा, कवर्धा, पंडरिया में कवर्धा को छोड़कर बाकी सभी फैक्टरियां सांसों के लिए भी जूझ रही हैं क्योंकि उन्हें गन्ना नहीं मिल रहा है। ये कडवाहट क्यों?*
- *ये कड़वाहट नहीं है। मिठास बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर गन्ने की कीमत 355 रुपए से बढ़ाकर 425 रुपए की गई है। इसकी वजह से अब गन्ने का रकबा भी बढ़ेगा। राज्य में किसानों को गन्ने की इतनी कीमत दी जा रही है जितनी देश के किसी राज्य में नहीं मिलती है। इसके साथ ही एथेनाल बनाने पर भी काम किया जा रहा है।*
- *हार्टीकल्चर(बागवानी) मुनाफे का सौदा बने, पर इसके किसानों की संख्या सैकड़ो में है, लोग दुखी हैं।*
- *बागवानी में बढोत्तरी के लिए कैबिनेट में निर्णय लिया गया और किसानों को 15 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। बागवानी में सब्जी, ड्रैगन फ्रूट नाशपत्ती, कटहल, काजू, पर भी काम कर रहे हैं।* ▶▶|शेष पेज 2 पर

सरकार किसानों को धान से ऊपर लाए, एक फसल से गुजारा संभव नहीं

हरिभूमि-आईएनएच के संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने किसानों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि आईएनएच के कृषि संवाद के पहले सत्र में किसानों ने अपनी बात रखते हुए कहा, सरकार को किसानों को धान से ऊपर लाना होगा। एक फसल से किसानों का गुजारा संभव नहीं है। सरकार को बागवानी, दलहन, तिलहन को लेकर भी योजना बनानी चाहिए। इनकी फसलों के लिए भी कुछ होने से किसान इन फसलों की तरफ जाएंगे। जो छोटे किसान सब्जी और अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं, उनको अपने उत्पाद के सही दाम नहीं मिल पाते हैं, इसके लिए छोटी-छोटी मंडी बनाने से ही किसानों को सही दाम मिल पाएंगे। ▶▶|शेष पेज 2 पर



नहीं मिल पाते सही दाम : रूपेंद्र

रूपेंद्र जायसवाल ने बताया, 882 किसान सामूहिक खेती कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि छोटे किसानों को बाजार में अपने उत्पाद के सही दाम नहीं मिल पाते। किसानों को उनकी फसल के सही दाम मिल पाएं, इसके लिए उन्होंने सुझाव देते हुए कहा, सरकार को छोटी-छोटी मंडियों की व्यवस्था करनी चाहिए। ऐसा होने से किसानों को सही दाम मिल सकेंगे। उन्होंने नकली खाद और बीज की समस्या की तरफ ध्यान दिलाया और कहा, इसके लिए सरकार ▶▶|शेष पेज 2 पर

खबर संक्षेप

राहुल से 'इंडिया' की रैली टालने का आग्रह

नई दिल्ली। व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली को 10 नवंबर तक के लिए स्थगित करने का आग्रह किया है। व्यापारिक निकाय ने चेतावनी दी है कि इस रैली से दिवाली के मुख्य खरीदारी सत्र के दौरान 10,000 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हो सकता है।

12वीं कक्षा की छात्रा का जला हुआ शव मिला

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित एक स्कूल में गार्ड के कक्ष के पीछे 12वीं कक्षा की छात्रा का जली अवस्था में शव मिला। इस घटना से 18 वर्षीय छात्रा का परिवार के सदस्य सदमे में हैं। पुलिस को स्कूल में आग लगने की सूचना पीसीआर के जरिए मिली थी, जिसके बाद कृष्णा नगर थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, जहां उन्हें छात्रा का शव मिला। पूर्वाह्न 11:58 बजे सूचना मिली थी कि एक छात्रा ने स्कूल के अंदर खुद को कथित तौर पर आग लगा ली है।

आंध्र-ओडिशा के तटों से टकराएगा चक्रवात

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों के बीच कहीं टकराने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कम दबाव के क्षेत्र के अवदाब में बदलने के आसार हैं। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 25 अक्टूबर को गहरे अवदाब तथा 26 अक्टूबर की सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान में बदलने की प्रबल संभावना है।

तीसरे की भी तबीयत बिगड़ी चौथे से चल रही पूछताछ

एक साथ चार ने पी शराब, बिगड़ी तबीयत, पार्षद समेत दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पामगढ़

नगर पंचायत पामगढ़ में शुक्रवार रात चार लोगों ने एक साथ बैठकर शराब पी। इसके कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी बताया जाता है कि इनमें पार्षद व उसके एक साथी की बिलासपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजन एवं ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार 23 अक्टूबर की रात नगर पंचायत पामगढ़ के वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद रामखिलावन जांगड़े (55) और निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम खरे (52) के अपने दो और साथियों के साथ पुराना अस्पताल ▶▶|शेष पेज 2 पर





इस तरह हुई पूरी घटना

परिजनों व ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम जरूरत पड़ने पर लोगों को पैसे देता था। बताया जाता है कि उसने कमलनाथ उर्फ राजा को बड़ी राशि दी है,जिसकी वसूली के लिए जोहित और पार्षद रामखिलावन दोनों उसके पास गए हुए थे। इसके बाद उन्होंने शराब पीने की योजना बनाई। राजा के साथ उसका साथी मुकेश भी शामिल हो गया। चारों पुराना अस्पताल के पीछे पहुंचे और वहां शराब पी इसके बाद जोहित और ▶▶|शेष पेज 2 पर

बसपा ने लगाया सुनियोजित हत्या का आरोप

शराब पीने के बाद मौत की घटना में बहुजन समाज पार्टी ने हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पार्टी से वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम खरे के शराब पीने से मौत की घटना को बहुजन समाज पार्टी ने सुनियोजित हत्या करार दिया है। घटना के विरोध में बहुजन समाज पार्टी ने एसडीएम के ▶▶|शेष पेज 2 पर

थाने में बिगड़ गई तबीयत

शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत की सूचना पर पुलिस टीम हरकत में आई। प्रारंभिक पूछताछ करते हुए पुलिस ने गोलू उर्फ मुकेश कश्यप को पकड़ा, वही कमलनाथ उर्फ राजा को भी थाना लाया गया। बताया जाता है कि यहां पूछताछ के दौरान कमलनाथ उर्फ राजा की तबीयत बिगड़ने लगी। उसे भी उल्टियां होने लगी ऐसे में उसे उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

नदी में नहाने उतरे एक ही परिवार के चार सदस्यों की डूबने से गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिश्रामपुर

सूरजपुर जिले के ग्राम सरस्वतीपुर से गुजरी रेड़ नदी घूमने और नहाने के उद्देश्य से पहुंचे एक ही परिवार के एक युवक व तीन बच्चों समेत चार लोगों की नदी के गहरे पानी में डूब जाने से मौत हो गई। घटना शनिवार प्रातः करीब 11 बजे की बताई गई है। घटना की सूचना सरस्वतीपुर सरपंच द्वारा मोबाइल के माध्यम से पुलिस को देने के बाद मौके पर पहुंची बिश्रामपुर पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से एक- एक कर चारों शवों को नदी से बरामद कर लिया है। शव के पंचनामा कार्यवाही के बाद चारों शवों को पीएम के लिए बिश्रामपुर अस्पताल लाया गया है,यहां परिजनों के आ जाने के बाद रविवार को सभी का पीएम होगा। मृतकों में दो बच्चे बिहार राज्य के कटिहार जिले के निवासी बताए गए हैं ▶▶|शेष पेज 2 पर



इनकी हुई मौत

मृतकों की पहचान विवेक सिंह पिता विद्यानंद सिंह 45 वर्ष, अभिजीत सिंह पिता विवेक सिंह 17 वर्ष कृष्ण गोपाल पिता जितेंद्र सिंह 13 वर्ष, गोपाल कृष्ण पिता जितेंद्र सिंह 15 वर्ष के रूप में पहचान हुई है।

दो किशोर मौसी के घर आये थे घूमने

बताया जाता है कि हादसे में मृत साली के बच्चों कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण को विवेक आज शनिवार को छोड़ने के लिए कटिहार जाने वाले थे। इसके पहले ये हादसा हो गया। मृतकों में विवेक और अभिषेक दोनों पिता पुत्र हैं जबकि दो बच्चे कृष्ण गोपाल गोपाल कृष्ण दोनों सगे भाई हैं, जो अपनी मौसी के यहां घूमने आए हुए थे। मृतक अभिजीत अपने पिता का इकलौता पुत्र था। कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण भी अपने मां पिता की दो ही संतान थे। घटना से परिवार में हाहाकार मच गया। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की घटना सूरजपुर जिले में शोक और मातम की स्थिति निर्मित कर दी है।

भारत ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत

तिलक और नीतीश ने ध्वस्त किया 17 साल पुराना रिकॉर्ड



क्राइस्टचर्च। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि जीत दिलाकर भी वापस लौटे, जिसमें दोनों के बीच 7वें विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी देखने को मिली और इसके दम पर दोनों ने मिलकर 17 साल पुराने एक ▶▶|शेष पेज 2 पर

रेड्डी और तिलक ने मोर्चा संभाला

अंत के ओवरों में नीतीश कुमार रेड्डी और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलाई। तिलक ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी 13 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव में सोनिया ने खुद बताई कहानी

रेस्टोरेंट से शुरू हुई थी राजीव के साथ लव स्टोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपने दिवंगत पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके प्रेम संबंध की शुरुआत के दिनों को याद करते हुए शनिवार को कहा कि राजीव बेहद सौम्य और आकर्षक थे। उनकी सौम्यता ने उन्हें पहली मुलाकात में ही प्रभावित कर दिया था। सोनिया गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी आगामी आत्मकथा से जुड़ा एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कैमब्रिज में राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके प्रेम संबंध की शुरुआत के दिनों को याद किया। इंस्टाग्राम के बाद सोनिया गांधी अब 'एक्स' पर भी आ गई हैं और यह इस मंच पर उनकी पहली पोस्ट है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कैमब्रिज के एक छोटे से यूनानी रेस्तरां में मेरी प्रेम यात्रा शुरू हुई। सोनिया गांधी ने कहा, राजीव और मैंने प्रेम, खुशी और यादों से भरी अपनी एक दुनिया बनाई। मैं 10 नवंबर को उस दुनिया को आप सबके साथ साझा करूंगी। उनकी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को प्रकाशित होगी।

वीडियो में सोनिया गांधी ने इंग्लैंड में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय वहां का खाना उन्हें पसंद नहीं था और आज की ▶▶|शेष पेज 2 पर



इंग्लैंड के खाने के बारे में क्या कहा?

सोनिया ने बताया कि इंग्लैंड में खाना बहुत खराब था। उन दिनों, आज की तरह इतने सारे रेस्टोरेंट नहीं हुआ करते थे, इसलिए मैं हमेशा ऐसी जगह की तलाश में रहती थी जहां मुझे अपने पसंद का इटैलियन खाना मिल सके।फिर हमें एक ऐसी जगह मिली। यह एक ग्रीक रेस्टोरेंट था, जहां कई छात्र खासकर यूरोपियन और भारतीय छात्र खाना खाने आते थे। उसी रेस्टोरेंट में मेरी राजीव से मेरी मुलाकात हुई।

वैलेंटाइन पार्टी में गए थे सोनिया-राजीव

सोनिया गांधी ने बताया कि जब मैं राजीव से पहली बार मिली तो मुझे तुरंत ही महसूस हो गया कि वह ऐसे इंसान हैं जिनके साथ रहना मुझे बहुत अच्छा लगेगा। उसके बाद में मुझे पता चला कि उनके मन में भी यही बात थी। एक बार हम एक वैलेंटाइन पार्टी में गए, जहां बहुत सारे छात्र मौजूद थे। वह देखने में बहुत ही शांत स्वभाव के इंसान लगते थे। बेशक, वह बहुत हैंडसम थे, लेकिन उनके स्वभाव में एक खास सौम्यता थी। इस बात ने मुझे बहुत प्रभावित किया। उनसे मैं अपनी पहली मुलाक़ात को कभी नहीं भूल सकती।

इंदिरा और राजीव की हत्या के बाद बदली जिंदगी

1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। सात साल बाद, 1991 में राजीव की भी हत्या कर दी गई। सोनिया ने बताया कि अपनों को खोने के दर्द ने उन्हें सार्वजनिक जीवन और राजनीति की ओर धकेला। इससे पहले वह अपनी निजी जिंदगी को सार्वजनिक नजरों से दूर रखना चाहती थीं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।





कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *



कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?



टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



दोहे
केदार शर्मा

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



पुस्तक अंश
सूर्यबाला

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर



अपना एकनिष्ठ वर्चस्व चाहने वाली उसके जीवन की दो अतिप्रिय स्त्रियों के क्लेश हैं क्योंकि वह दोनों का प्रिय है दोनों स्त्रियां उस पर अपना पूरा आधिपत्य चाहती हैं। पहली ने जिस बच्चे को जन्म दिया, शिशुपन से उसके सारे दुःख-सुख की साक्षी रही, एक ही रात में उस मां को एक-दूसरी युवती स्त्री द्वारा उसके पद से अपदस्थ कर दिया जाता है। (अनजाने ही सही) लेकिन बचपन से युवा होने तक जिसकी नींद सोयी, जिसकी नींद उठी, ऐसी मां और बेटे के निकटतम रक्त-संबंध के बावजूद, यह अपदस्थ मां, अपने 'दोनों बच्चों' (पुत्र-पुत्रवधु) से एक समझदार, सम्मानजनक व्यवहार, रिश्ता और निश्छल प्यार पा कर अति प्रसन्न और तृप्त भी हो सकती है, यह कोई युवती बहू शायद ही समझती हो। कम से कम प्रयोग के तौर पर ही, नाममात्र को ही, यदि वह पहले की तरह उस मां को घर की सम्राज्ञी, उसके बेटे की 'वही मां' बनी रहने का 'भरम' बनाये रख सके तो सीधे-सीधे सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या छूमंतर हो सकती है। लेकिन इतना तक भी धैर्य कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *

(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं ?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस,पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है ?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है ?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466

रायपुर
रविवार 25 अक्टूबर 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
वर्ष : 25, अंक : 96
पृष्ठ : 12+4+4= 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 32.6
न्यून. 20.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹106433/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹129990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹141897/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें!
*Conditions Apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

गृह मंत्रालय
भारत सरकार
जय हो उन वीरों की
जिन्होंने हराया
नक्सलवाद
आंतरिक सुरक्षा बलों का सम्मान
राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर, 2026
एकता नगर, गुजरात
एक ही जगह देखें, एकता के रंग अनेक
भारत पर्व
1 से 15 नवंबर, 2026
एकता नगर, गुजरात
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर 2026 स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात
जानकारी और ठहरने की बुकिंग के लिए स्कैन करें या विज़िट करें rashtriyaektadiwas.com
CBC 19101/13/0018/2627

पहले होर्डिंग्स बैन और अब स्वागत रद्द, आज आएंगी स्मृति, दिनभर लेंगी बैठकें

भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के नए फरमान के बाद प्रदेश भाजपा संगठन की प्रदेश प्रभारी का भव्य स्वागत करने की तैयारी भी धरी रह गई। प्रदेश प्रभारी के निर्देश के मुताबिक सिर्फ आधा दर्जन पदाधिकारी ही विमानतल पर उनकी अगवानी करने और उनको लेने के लिए जाएंगे। इसके पहले प्रदेश प्रभारी ने स्वागत में होर्डिंग्स न लगाने का फरमान जारी किया था।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा के प्रदेश संगठन ने रायपुर शहर जिला और ग्रामीण जिला के साथ बैठक करके प्रदेश प्रभारी का भव्य स्वागत करने की तैयारी की थी। इसके लिए रायपुर के 20 मंडलों से पांच हजार से ज्यादा की भीड़ जुटाने की पूरी तैयारी थी। इसी के साथ प्रदेश का पूरा मंत्रिमंडल, विधायक, सांसद, प्रदेश के पदाधिकारी विमानतल पर स्वागत करने जाने वाले थे। एक हजार युवाओं की बाइक रैली भी निकालने की तैयारी थी, लेकिन प्रदेश प्रभारी को इसके बारे में जानकारी होने पर उन्होंने साफ स्वागत करने से मना कर दिया। ⏭शेष पेज 2 पर

खास खबर

विमानतल पर अगवानी करने जाएंगे सिर्फ आधा दर्जन पदाधिकारी



शाम को होगी कोर ग्रुप की बैठक

स्मृति ईरानी और सिद्धार्थ शंभू 11.30 बजे प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कंडेय और अखिलेश सोनी के साथ बैठक करके पूरी जानकारी लेंगी। 12.30 से 1.30 बजे तक प्रदेश पदाधिकारियों और फिर 1.30 से 2.30 बजे तक संभाग और जिलों के प्रभारियों और सह प्रभारियों के साथ बैठक होगी। 3.30 से 5.00 बजे तक दो बार के पूर्व सांसद और विधायकों के साथ लंबी चर्चा होगी। इनसे फीड बैक भी लिया जाएगा। इसके ठीक बाद 5.30 से 7.00 बजे तक प्रदेश संगठन के पूर्व पदाधिकारियों के साथ संवाद होगा। अंत में 7.00 से 8.30 बजे तक कोर ग्रुप की बैठक होगी।

सोमवार को मंत्रिमंडल से वन टू वन

दूसरे दिन सोमवार को बैठकों का आगाज 10 बजे विधायकों के साथ होगा। इस बैठक में भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पूरा मंत्रिमंडल रहेगा। विधायकों के साथ प्रदेश प्रभारी 1.30 घंटे तक चर्चा करेंगी। 11.30 से 12.30 बजे तक सांसदों के साथ बात होगी। 12.30 बजे से 2.00 बजे तक प्रदेश के मंत्रिमंडल के साथ अलग से वन टू वन बात होगी। 3.00 से 4.30 बजे तक निगम, मंडल, आयोग, बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों के साथ बैठक होगी। अंत में 4:30 बजे से 5:30 बजे तक विचार परिवार के प्रमुख पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद व बैठक होगी। इसके बाद प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी वापस दिल्ली लौट जाएंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky | airtel
चैनल नं. 1155 | चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शहीद एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में आग

लखनऊ। बिजनौर जिले में नगीना रेलवे स्टेशन के पास शहीद एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी से अचानक धुआं उठने और मामूली आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमृतसर से जयनगर जा रही शहीद एक्सप्रेस नगीना रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी।



जेडीयू से निष्कासित किए गए बाहुबली अनंत

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड ने अपने विधायक अनंत सिंह को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। हाल ही में विधान परिषद चुनाव में अनंत सिंह ने जेडीयू प्रत्याशी नीरज सिंह का खुलकर विरोध किया था। अनंत सिंह के साथ उनकी पत्नी नीलम देवी को भी जेडीयू से निष्कासित कर दिया गया है। जेडीयू ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण अनंत सिंह को बाहर का रास्ता दिखाया है। विधान परिषद चुनाव में विपक्ष का प्रचार किया था।

सज्जन होंगे कश्मीर के नए मुख्य सचिव

जम्मू। एजीएमयूटी कैडर के आईएएस अधिकारी डॉ. सज्जन सिंह यादव एक नवंबर से जम्मू-कश्मीर के नए मुख्य सचिव के तौर पर पदभार संभालेंगे और अटल डुल्लू की जगह लेंगे। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से, डॉ. सज्जन सिंह यादव को दिल्ली से स्थानांतरित कर एक नवंबर 2026 से या उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से, जो भी बाद में हो, मुख्य सचिव के तौर पर तैनात किया जाता है।



आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ लगाया मकोका

मुंबई। नवी मुंबई पुलिस ने खुद को सूचना का अधिकार आरटीआई कार्यकर्ता बताकर इसकी आड़ में वसूली करने वाले गिरोह के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम लगाया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने क्षेत्र के रियल एस्टेट डेवलपर्स को ब्लैकमेल करने, धमकाने और उनसे पैसे ऐंठने के आरोप में त्रिभुवन लालबिहारी और उसके सहयोगियों के खिलाफ मकोका के तहत अभियोजन चलाने की 21 अक्टूबर को मंजूरी दी।

शिकंजे में अब तक 10 आरोपी, खुलने लगीं हैं साजिश की परतें!

टाइगर श्रॉफ पर हमला, इंदौर-सूरत कनेक्शन ने बढ़ाई जांच की आंच

एजेंसी ⏭ मुंबई/इंदौर/सूरत

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में जांच का दायरा अब दो और राज्यों तक फैल गया है। हमले के तार राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बाद अब मप्र के इंदौर और गुजरात के सूरत से जुड़ने की बात सामने आने के बाद जांच में नया मोड़ आ गया है। हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। शनिवार को मुंबई पुलिस ने इंदौर से प्रांजल नाम के युवक को पकड़ा है। वहीं सूरत से दो हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं।

टाइगर श्रॉफ पर हुए जानलेवा हमले के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ बहुत बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल केस की जांच में तेजी लाते हुए गुजरात के सूरत से दो हथियार और 10 जिंदा कारतूस बरामद कर लिए हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल एक्टर की कार पर गोलियां बरसाने के लिए किया गया था। हालांकि अभी इस पर मुंबई क्राइम ब्रांच की मुहर लगना बाकी है। इसके अलावा मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने इंदौर से एक पुरुष संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जिसकी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को मुंबई क्राइम ब्रांच की टीमों ने इस मामले के सिलसिले में एक गुप्त ठिकाने पर छापेमारी की थी।

हथियारों और कारतूसों की जांच

सूरत से मिले इन हथियारों और कारतूसों को अब फोरेंसिक जांच और बैलिस्टिक टेस्टिंग के लिए भेज दिया गया है, ताकि यह पुख्ता किया जा सके कि घटनास्थल पर मिले खाली खोखे इन्हीं हथियारों से दागे गए थे या नहीं। पुलिस इस बात का भी पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों की तस्करी और सप्लाई के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल थे।



अब तक 11 दबोचे गए

इस सनसनीखेज वारदात के बाद मुंबई पुलिस ने हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अब तक मप्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से कुल 11 लोगों को धर दबोचा है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब गैंगस्टर अनिल पंडित को वांछित आरोपी बनाया गया। मुंबई डीसीपी राज तिलक रौशन ने शनिवार को बताया कि इस गिरफ्तारी के साथ ही केस में अब तक कुल 11 आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

हिरासत में संदिग्ध युवक

एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हमले की साजिश के तार अब इंदौर से जुड़ गए हैं। मुंबई में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग कर हत्या की कोशिश के मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच ने प्रांजल नामक युवक को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि वह हमले की प्लानिंग में शामिल था। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम को आरोपी के इंदौर में होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद इंदौर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए प्रांजल को हिरासत में लिया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर साजिश से जुड़ी जानकारियां जुटाने का प्रयास कर रही है।

हाईकोर्ट ने भाई की दूसरी अपील खारिज की

बेटी को पैतृक संयुक्त संपत्ति से नहीं किया जा सकता वंचित



हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

पिता की मृत्यु वर्ष 1980 में होने के आधार पर बेटी को पैतृक संयुक्त संपत्ति में हिस्से से वंचित नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने हिंदू उत्तराधिकार कानून में 2005 के संशोधन और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए भाई की दूसरी अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने बहन को जमीन के आधे हिस्से का बंटवारा और अलग कब्जा देने के निचली अदालतों के फैसले को बरकरार रखा है। मामला ⏭शेष पेज 2 पर

फैसले को दी थी चुनौती

निचली अदालतों ने बहन के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आधे हिस्से का बंटवारा और अलग कब्जा देने का आदेश दिया था, जिसे भाई ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा केवल 12 वर्ष से अधिक समय तक खेती करने से प्रतिकूल कब्जा साबित नहीं होता। संयुक्त पारिवारिक संपत्ति में एक सह-हिस्सेदार का कब्जा सामान्यतः सभी की ओर से माना जाता है, जब तक दूसरे के अधिकार को स्पष्ट रूप से समाप्त करने का प्रमाण न हो।

इधर, घायल महिला को 19 लाख का मुआवजा

सड़क हादसे में घायल महिला को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा दिए गए 19 लाख 20 हजार 900 रुपए के मुआवजे को हाईकोर्ट ने बरकरार रखा है। कोर्ट ने मुआवजा बढ़ाने की मांग करने वाली महिला और मुआवजा कम करने की मांग वाली बीमा कंपनी की अपील खारिज कर दी है।

हूती विद्रोहियों ने बनाया निशाना

सऊदी अरब में तेल ठिकाने और एयरपोर्ट पर हमला

एजेंसी ⏭ दुबई

यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार को सऊदी अरब के तेल ठिकानों और एयरपोर्ट्स पर हमला किया है। हूती प्रवक्ता याह्या सरी के मुताबिक, निशाने पर सऊदी तेल कंपनी अरामको का यानबू ठिकाना, राबिग तेल रिफाइनरी और रियाद, दम्माम व नजरान के एयरपोर्ट थे। सऊदी सिविल डिफेंस ने मक्का और मदीना में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की चेतावनी दी है। लोगों से सुरक्षित जगहों पर रहने को कहा गया है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ और यानबू की ओर दागी गई दो मिसाइलों को बीच में ही रोक दिया। इसके बाद सऊदी सिविल डिफेंस ने ताइफ, यानबू, मक्का और जेद्दा में लोगों को खतरे की चेतावनी दी। लोगों से नजदीकी सुरक्षित जगह पर जाने को कहा गया।



फंसे भारतीयों को निकालने की कोशिश

भारत ने सऊदी अरब में उड़ानें रद्द होने से प्रभावित अपने नागरिकों, खासकर उमरा यात्रियों के लिए शनिवार को परामर्श जारी करते हुए कहा कि उनकी जल्द वापसी के लिए वहां के अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि जेद्दा और मक्का में उसके 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष प्रभावित भारतीय नागरिकों को जरूरी सहायता मुहैया करा रहे हैं।

एयर इंडिया ने रद्द कीं उड़ानें

सऊदी अरब में लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की रियाद और दमाम के लिए आने-जाने वाली उड़ानें 7 नवंबर 2026 तक स्थगित रहेंगी। वहीं, जेद्दा के लिए आने-जाने वाली सेवाएं 31 अक्टूबर 2026 तक स्थगित रहेंगी।

इधर, फ्रांस में सड़क पर लाखों प्रदर्शनकारी

फ्रांस में प्रदर्शनकारी लगातार बवाल मचाए हुए हैं। यहां सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन हुए हैं। इन सभी का मुद्दा देश में बढ़ती महंगाई और शिक्षा के लिए फंड की कमी है, जिसको लेकर लोगों में गुस्सा पसरा हुआ है। सुरक्षाबलों से प्रदर्शनकारियों की झड़प भी देखने को मिली है। हाल ही में हुई हिंसा को दोबारा रोकने की कोशिश के दौरान यह झड़प फिर से हुई हैं। फ्रांसीसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के आधिकारिक आंकड़ों की मानें तो पूरे देश में करीबन 4 लाख 10 हजार प्रदर्शनकारी मोर्चाबंदी किए हुए हैं।

सड़क निर्माण स्थल पर बड़ा हादसा

पिकअप ट्रक में डीजल भरते वक्त लगी आग, 7 जिंदा जले

एजेंसी ⏭ पिनाकोटा

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में एक सड़क निर्माण स्थल पर पिकअप ट्रक में डीजल भरते समय आग लगने से 7 लोगों की मौत हो गई। यह घटना अनंतगिरि मंडल के पिनाकोटा गांव में सड़क निर्माण स्थल पर हुई। दूरदराज इलाके में होने के कारण श्रमिक वाहनों में ईंधन भरने के लिए आमतौर पर ड्रम में डीजल लेकर आते हैं।

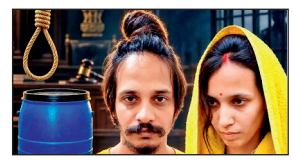
इधर, ट्रक से टकराई कार, छह की मौत

जयपुर। राजस्थान में सादुलपुर कस्बे के पास शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों में से पांच लोग एक ही परिवार के हैं। दादरेवा-तारानगर सड़क मार्ग पर यह हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक से टकरा गई। कार में सात लोग सवार थे।

मृत्युदंड के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची मुस्कान और साहिल

एजेंसी ⏭ मेरठ

यूपी के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड मामले में फांसी की सजा पा चुके मुस्कान और साहिल हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने मेरठ कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। दोनों ने फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सौरभ हत्याकांड मामले में कोर्ट ने दोनों को 14 अक्टूबर को फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद से ही दोनों ने



मेरठ कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

फांसी के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया था। दोनों चाहते हैं कि निचली हदालत द्वारा सुनाए गए फांसी के फैसले को हाईकोर्ट रद्द कर दे।

दोनों को फांसी की सजा

14 अक्टूबर को जिला जज मेरठ अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत ने कातिल मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी। सजा वाले दिन सुबह दोनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं ने करीब सवा घंटे कोर्ट में बहस हुई थी। शाम 4.15 बजे कोर्ट ने दोनों को फांसी की सजा सुनाई थी। साथ ही एक लाख 40 हजार का अर्थदंड भी लगाया था।

30 अक्टूबर को प्रतीकात्मक कार्यवाही, 1 नवंबर को दिल्ली मार्च

इंडिया गठबंधन ज्ञानेश के खिलाफ लाएगा 'जन महाभियोग'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वोट चोरी के आरोपों को लेकर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का फैसला किया है। गठबंधन के नेता 30 अक्टूबर को दिल्ली में एक 'जनता के सामने महाभियोग' यानी प्रतीकात्मक संसदीय कार्यवाही करेंगे और उनके खिलाफ जनता का फैसला सुनाने की घोषणा करेंगे। इसके अगले दिन, 1 नवंबर को 'दिल्ली चलो मार्च' निकाला जाएगा, जो रामलीला मैदान में समाप्त होगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के मुताबिक, विपक्ष का लक्ष्य इन कार्यक्रमों के जरिए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संदेश देना है। विपक्षी इंडिया ब्लॉक 30 अक्टूबर को दिल्ली के होटल अशोक में 'मॉक पार्लियामेंट' यानी प्रतीकात्मक संसद आयोजित करेगा।



इधर, दिल्ली मार्च टालने का व्यापारियों ने किया आग्रह

व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली को 10 नवंबर तक के लिए स्थगित करने का आग्रह किया है। व्यापारिक निकाय ने चेतावनी दी है कि इस रैली से दिवाली के मुख्य खरीदारी सत्र के दौरान 10,000 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हो सकता है।

1 नवंबर को 'दिल्ली चलो मार्च'

विपक्ष 1 नवंबर को 'दिल्ली चलो मार्च' निकालेगा, जिसका समापन रामलीला मैदान में होगा। कांग्रेस ने इसे 'वोट चोरी' के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी रैली बनाने की तैयारी की है। केसी वेणुगोपाल ने दावा किया कि इस कार्यक्रम में देशभर से लोग शामिल होंगे। महिला कांग्रेस प्रमुख अलका लांबा ने बताया कि पार्टी ने रैली में 10 लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के मौसम के कारण रैली को टालने या रद्द करने का सवाल नहीं है।

विपक्ष की क्या है मांग?

इंडिया ब्लॉक की मुख्य मांगों में मतदाता सूची से कथित तौर पर लाखों नाम हटाए जाने का मुद्दा और एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप शामिल हैं। विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। गठबंधन का कहना है कि इन मुद्दों पर सरकार और चुनाव आयोग पर जवाब देने का दबाव बढ़ाया जाना चाहिए।

जैकेट के शेष

खेती में फायदे ....

प्रदेश में किसान स्वसहायता समूह और एफपीओ के माध्यम से काम कर रहे हैं और अधिक उत्पादन ले रहे है। जैविक खेती की जा रही है, चावल की किस्मे, जीराफूल, जवां फूल, काली मूछ का उत्पादन कर रहे हैं, जिन किसानों ने इस तरह खेती के लिए समूह बनाए हैं, वे सफल है। इसी दिशा में लघु और सीमांत किसानों को भी काम करना चाहिए।

0 छत्तीसगढ़ में किसान अभी भी एक फसल पर निर्भर है, और सिंचाई के साधनों की भी कमी है।

00 इस बात की चिंता हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी है। हमारे यहां किसान खरीफ में धान की फसल लेते हैं, इसके बाद 70 फीसदी जमीन खाली पड़ी रह जाती है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री की भी यही चिंता है कि खाली पड़े क्षेत्र में दलहन-तिलहन की फसल ले। इस दिशा में काम करने के लिए राज्य में दलहन और तिलहन मिशन काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में दलहन-तिलहन के साथ साग सब्जी का रकबा भी बढ़ रहा है।

0 70 प्रतिशत खाली जमीन पर धान के बाद खाली रहने पर उस रकबे को करने की योजना क्या योजना आपने बनाई है।

00 हम हर साल लक्ष्य तय करते हैं, दलहन और तिलहन के लिए। इसके साथ ही पाम आयल पर भी काम हो रहा है, रबी सीजन में मक्का भी उगा रहे हैं। अगर रबी के सीजन में धान की जगह मक्का की फसल ली जाए तो अधिक लाभ मिलेगा। धान से अधिक मक्का का उत्पादन होगा। मक्का की खेती के बाद बचे अवशेष भी उपयोगी है। मैं राज्य के किसानों से निवेदन करता हूं कि वे रबी में धान की जगह मक्का, दलहन, तिलहन की खेती करें। तो उससे पानी भी बचेगा।

0 किसानों की आय दो गुना करने की बात होती है, लेकिन ये इस पर बात नहीं होती कि कृषि की लागत कितनी हो गई है।

00 मैं खुद भी किसान हूं। गर्व से कहता हूं कि चावल, दाल, गेंहू,मक्का सब घर में ही उत्पादित होता है। यहां तक कि सब्जी, प्याज आलू भी हम घर में ही उगाकर खाते हैं। इसी तरह की सोच के साथ सभी किसान काम करेंगे तो आय बढ़ेगी। यही नहीं कुछ किसान ड्रैगन फ्रुट, अमरूद,टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, मिर्च, की खेती कर रहे हैं जो दिल्ली, यूपी तक जाकर बिक रही है। प्रदेश सौभाग्यशाली है कि यहां पानी की कोई कमी नहीं है, इसी वजह से फिशरीज पर अच्छा काम हो रहा है, यह कारोबार देश में पांचवे नंबर पर है। जितनी भी वाटर बाड़ीज है उसका पूरा उपयोग करेंगे को काम और बेहतर होगा।

0 नए तालाब बनाने, सुधरवाने की क्या योजना है

00 हम जहां उत्पादन बढ़ाने की बात करते हैं वहां काम कई विभाग मिलकर करते हैं। जैसे धान कृषि विभाग धान उगाने, मार्कफेड धान खरीदी और खाद्य विभाग उससे चावल बनाने का काम करता है। लेकिन होता ये है कि इस काम में गड़बड़ी होती है तो बात मुझे सुननी पड़ती है। मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, मुझे तो सुनना ही है और रास्ता निकालना है। हमारे किसान यदि खेती में समन्वित प्रयास करे, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन करें तो इसमें काफी संभावना है। हम सब मिलकर इसका उपयोग करें, जिनके पास जमीन है, वे भी जिनके पास नहीं है, वो भी ये काम कर सकते हैं।

0 बटाइदार किसानों को फायनेंस की सुविधा नहीं मिलने की बात सामने आई है, इसके लिए क्या करेंगे।

00 इसी तरह के बहुत सारे मौलिक सवाल सामने आए हैं, इस पर निर्णय तक पहुंचना होगा।

0 पशुपालन चुनौतीपूर्ण है, यह किसान के जीवन का हिस्सा क्यों नहीं बन पा रहा है। हालत ये है कि आवारा पशु के रूप में गायें सड़क पर दिखती हैं और इससे दुर्घटनाएं भी होती हैं।

00 छत्तीसगढ़ में पशुपालन के क्षेत्र में संभावना की कमी नहीं है। पशुपालन सनातन धर्म में भी महत्ता का विषय रहा है। जिस घर में गौ माता रहती है वहां दोष नहीं आता, बीमारी नहीं आती ये माना जाता है, लेकिन अब लोगों का माइंडसेट बदल गया है। आज भी राज्य में दूध का उत्पादन जरुरत के अनुरूप नहीं है। लोग दुकान से दूध लाते हैं, बोतलबंद दूध लाते हैं, मिठाई शुद्ध खोवे से बनी है या नहीं पता, नहीं, लोग जहर खा रहे है। शुद्धता घर से मिलनी चाहिए। हर घर में एक गाय पालनी चाहिए। इस दिशा में सोचकर चलें तो दूध भी मिलेगा और आवारा पशु भी नहीं दिखेंगे। अभी हालत ये है कि दूध देते रहने तक गौ माता, दूध बंद को आवारा पशु। ये सोच बदलनी चाहिए। गाय लक्ष्मी का रूप है ये मानकर सेवा करनी चाहिए. क्योंकि उससे दूध, गोबर और गौ मूत्र मिलता है। गाय की हर चीज उपयोगी है। पशुपालन के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी से समझौता किया गया है। मिल्क चेन बनाई गई है। पहले 25 मिल्क चेन बनाई गई अब बलरामपुर में इनकी संख्या 50 से अधिक हो गई है। यह काम करने वाली महिलाओं के खाते में 4 माह में 3 करोड़ रुपए जमा हो गए। लेकिन यह काम उन्ही लोगों को करना चाहिए जिनकी इस काम में रुचि है। मैंने विभाग से भी कहा है कि पहले ये देखें कि कौन इसके लायक है। उसे ही इस काम से जोड़े। रही बात आवारा पशु की तो यह काम ग्रामीण क्षेत्र में पंचायतों का है और शहरों में नगरीय निकायों का। इन्हें आवारा पशुओं पर नियंत्रण करना चाहिए।

गन्ना की सबसे अधिक कीमत ....

लेकिन इसमें प्रोसेसिंग जरुरी है। उसके लिए सहयोग कर रहे हैं। और एक महत्वपूर्ण बात फसल चक्र परिवर्तन एक दिन में नहीं होता है।

0 किसान अगर धान की फसल लगाए और बागवानी भी करे तो क्या उसे भी बागवानी का बोनस मिलेगा?

00 खरीफ में धान लगाएं तो बागवानी की राशि नहीं मिलेगी। क्योंकि किसान बागवानी में जाकर भी आत्म निर्भर बन सकता है। उदाहरण के लिए सरगुजा में एक किसान मिर्च की फसल एक एकड़ में लगाकर ढाई लाख रुपए कमा रहा है।

0 छोटे और सीमांत किसानों को खेती से जुड़ी तकनीकी जानकारी नहीं मिल पाती इसके लिए क्या कर रहे हैं।

00 किसानों के लिए आज सबसे महत्वपूर्ण तकनीक ही है। इसके लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। चाहे वह फसल आधारित हो या कृषि मित्र के माध्यम से भी काम कर रहे हैं, खेत बचाओ कार्यक्रम में किसान को ब्रांड एम्बेसेडर बना रहे है।

0 टेक्नोलाजी सबके पास है, उसका जरिया है मोबाइल, क्या किसान पूरे समय कृषि विभाग के संपर्क में रह सके इसके लिए कोई काम कर रहे हैं।

00 किसानों की फार्मर आईडी बनी है। हर किसान उससे जुड़ा है। सूचनाओं का आदान प्रदान हो रहा है। एफएसएस सिस्टम बना रहे हैं। उससे किसान को जानकारी मिलेगी कि कब खाद डालनी है, कब कीटनाशक डालना है। फार्मर आईडी बनाने में छत्तीसगढ़ देश में नंबर एक पर है।

0 किसान कर्ज नहीं ले रहे है, ये बात सामने आई है?

00 हमारे यहां किसान केसीसी के माध्यम से लोन लेते हैं। लोन सोसाइटी से मिलता है। उसमें नकद राशि के साथ आदान सामग्री खाद बीज भी दिया जाता है। इस तरह किसान को ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। केसीसी से खाद वितरण उस समय किया गया जब दुनिया में खाद की कमी थी। छत्तीसगढ़ में डेढ़ लाख मीट्रिक टन खाद की बचत हुई। इसकी जगह नैनो खाद दिया गया। 287 करोड़ की सब्सिडी बचाई है।

0 नैनो कितना प्रभावी है।

00 नैनो भी एक टेक्नोलाजी है। उसमें नैनो पार्टिकल रहता है। जिसने इसका उपयोग किया वे नैनों पर आ गए हैं। उनका इससे लगाव हो गया है।

0 किसानों की आय बढ़ाना सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए क्या कर रहे हैं।

00 इसके लिए सरकार के चार विभाग कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, और मत्स्य पालन मिलकर काम कर रहे हैं। किसान अगर इंटिग्रेटेड फार्मिंग करेंगे तो आय बढ़ेगी।

0 यह लक्ष्य कैसे पूरा होगा। अगर किसान धान पर प्रति एकड़ 42 हजार रुपए कमाए और बागवानी की ढाई लाख की कमाई छोड़ दे।

00 बागवानी धान की फसल लगाने से अधिक परिश्रम वाला काम है इसलिए यह काम पिछड़ा है। हमारे यहां मक्का का उत्पादन भी होता है। हम उद्योगों के साथ बात कर रहे हैं। एथेनाल प्लांट लगाने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही मक्का की कांट्रेक्ट फार्मिंग भी की जाएगी। मक्का के लिए मंडी शुल्क माफ करने की भी तैयारी है। यह करने से किसानों की आय बढ़ेगी और लक्ष्य पूरा होगा।

सरकार किसानों को ....

पहले सत्र में हरिभूमि के संपादक समन्वयक ब्रह्मवीर सिंह ने भिलाई के प्रगतिशील किसान अनिल शर्मा, कबीरधाम के रूपेंद्र जायसवाल, रायपुर के भाविन चावड़ा और महामाया मल्टी पर्पस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, नवापारा के सीईओ इतवारी प्रसाद बंजारे से किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा की।

किसानों को अपना ब्रांड बनाना चाहिए : चावड़ा : भाविन चावड़ा ने कहा, सरकार तो अपनी तरफ से जो होता है, वह प्रयास करती ही, लेकिन किसानों को जरूरत है कि वो अपना ब्रांड बनाएं। उन्होंने बताया वे सब्जियों की खेती करते हैं और उन्होंने अपना ब्रांड बनाया है। अपना ब्रांड बनाने का फायदा होता है। उन्होंने कहा 80 फीसदी किसानों के पास जमीन कम है। छोटे किसानों के लिए सरकार को बाजार उपलब्ध कराने की जरूरत है। किसानों को अपनी फसल के सही दाम मिलने चाहिए, तभी किसान का जीवन चलेगा। उन्होंने कहा, छोटे किसानों के लिए सामूहिक खेती अच्छा रास्ता है।

धान से ऊपर की सोच जरूरी : अनिल शर्मा : अनिल शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, यह बात अच्छी है, लेकिन सिर्फ धान के भरोसे किसान नहीं चल सकते। सरकार को किसानों को धान के ऊपर ले जाने के लिए योजना बनानी चाहिए। सरकार को बागवानी और दलहन और तिलहन को लेकर भी योजना बनानी चाहिए। उन्होंने बताया वे बागवानी के बड़े किसान हैं। 180 एकड़ में सीताफल की खेती करते हैं, लेकिन इसकी सही कीमत भी मिलने में परेशानी होती है। किसानों की सबसे बड़ी समस्या बाजार की है। उन्होंने बताया, महाराष्ट्र सरकार ने अपने राज्य में सीताफल की खेती करने वाले किसानों के लिए अलग से योजना बनाकर शादियों में सीताफल की मिठाई और अन्य आइटम को अनिवार्य किया है। उन्होंने किसानों की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा, किसानों को पानी और बाजार की बड़ी समस्या है। इसकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। खाद में मिलावट से भी किसान परेशान रहते हैं।

नाबार्ड के सहयोग से किसान हो रहे सफल : बंजारे : महामाया मल्टी पर्पस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, नवापारा के सीईओ इतवारी प्रसाद बंजारे ने बताया, दो हजार किसान आम और काजू की खेती कर रहे हैं। नाबार्ड की मदद से इसकी प्रोसेसिंग होने से किसानों को बहुत फायदा हो रहा है। आज किसानों के पास अपने चारपहिया वाहन भी हैं। सामूहिक खेती का बड़ा फायदा होता है। छोटे-छोटे किसान मिलकर जब एक साथ काम करते हैं, तो काम बड़ा हो जाता है और किसानों को इसका फायदा भी मिलता है।

नहीं मिल पाते ...

को कड़े कदम उठाने चाहिए। नकली खाद और बीज के कारण किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। श्री जायसवाल ने बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या की तरफ ध्यान दिलाया और कहा, इसके कारण किसानों को बहुत नुकसान होता है।

एक साथ चार ....

पामगढ़ परिसर में बैठकर सादी देशी शराब पी रहे थे। शराब पीने के कुछ देर बाद रामखिलावन और जोहितराम की तबीयत बिगड़ गई, उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। जानकारी मिलते ही परिजन वहां पहुंचे और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया, यहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बिलासपुर रेफर कर दिया। बताया जाता है कि परिजन दोनों को लेकर बिलासपुर पहुंचे इस दौरान पार्षद रामखिलावन ने सिम्स में और जोहितराम ने अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इधर, घटना के बाद जहरीली शराब और शराब में जहर मिलाने की आशंका जताई जा रही है। पामगढ़ पुलिस ने साथ में शराब पीने वाले मुकेश कश्यप उर्फ गोलू को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है, जबकि चौथे साथी कमल नाथ खरे उर्फ राजा की भी तबीयत बिगड़ने की खबर है। एसडीओपी तोपेश वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विसरा जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा होगा।

इस तरह हुई पूरी घटना....

रामखिलावन तहसील के सामने पान ठेला में पहुंचे, जहां उनकी तबीयत एक-एक करके बिगड़ गई उन्हें उल्टी होने लगी और वह चक्कर खाकर गिर गए। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से दोनों को बिलासपुर रेफर किया गया।

बसपा ने लगाया ....

नाम ज्ञापन सौंप कर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह पूरी घटना लेनदेन के विवाद को लेकर हुई है। उन्होंने इसे सुनियोजित हत्या करार दिया है।

नदी में नहाने ....

जो विजयादशमी अवकाश में अपने मौसी के यहां सूरजपुर चंद्रपुर दूंढरा घूमने आए हुए थे। घटनास्थल से पुलिस ने दो स्कूटी भी बरामद किया है जिसमें सवार होकर चारों नदी पहुंचे थे,घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताया गया कि विवेक सिंह पिता विद्यानंद सिंह 45 वर्ष जो चंद्रपुर दूंढ़रा ने निवासी थे। वे अदानी कंपनी में कार्य करते थे। उनकी पत्नी नेहा सिंह ब्यूटी पार्लर का संचालन करती है। विवेक सिंह अपने साली के दो बच्चों को विजयदशमी अवकाश के दौरान बिहार के कटिहार से घूमने के लिए पिछले दिनों यहां लेकर आए थे।

घूमने गए थे रेड़ नदी : परिजनों के मुताबिक मृतक विवेक सिंह 45 शुक्रवार को अपने बेटे अभिजीत सिंह और साली के दोनों बच्चों के साथ रेड़ नदी की तरफ घूमने गए थे और फोटो भी खिंचवाई थी। आकर्षक स्पॉट होने के कारण बच्चों ने नदी में स्नान की इच्छा जताई जिसके बाद शनिवार को चारों लोग दो स्कूटी में सवार होकर सुबह 9:30 बजे नदी जाने कहकर निकले। इसी दौरान सभी नदी में नहाने के लिए उतरे और सभी की जलसमाधि हो गई।

तिलक और नीतीश ने ध्वस्त ....

बड़े रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल किया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 40 रन जोड़े। संजू सैमसन संघर्ष करते नजर आए और वह 17 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। वैभव सूर्यवंशी 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर 11 गेंदें खेलने के बाद 7 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

रेस्टोरेंट से शुरू ....

तरह इतने अधिक रेस्तरां भी नहीं हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि वह लगातार ऐसे रेस्तरां की तलाश में रहती थीं, जहां उन्हें अपनी पसंद का, खासकर इतालवी खाना मिल सके। सोनिया गांधी ने कहा कि इसी तलाश के दौरान उन्हें कैम्ब्रिज में एक यूनानी रेस्तरां मिला, जहां कई छात्र भोजन करने आया करते थे। उन्होंने कहा कि वहां यूरोपीय छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में भारतीय छात्र भी आते थे और इसी रेस्तरां में उनकी पहली मुलाकात राजीव गांधी से हुई थी। सोनिया गांधी ने कहा, जब मैं उनसे पहली बार मिली तो मुझे उसी समय महसूस हुआ कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ मैं जिंदगी गुजारना चाहूंगी। बाद में मुझे पता चला कि उनकी भी मेरे प्रति यही भावना थी।

पहली मुलाकात में ही राजीव पसंद आ गए: सोनिया गांधी ने बताया कि राजीव गांधी से पहली बार मिलने पर उन्हें तुरंत लगा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ वह रहना चाहेंगी। बाद में उन्हें पता चला कि राजीव भी ऐसा ही महसूस करते थे। दोनों की दोस्ती पार्टियों, घूमने और छात्रों की बैठकों में साथ समय बिताने से आगे बढ़ी।

पेज एक के शेष

पहले होर्डिंग्स बैन ...

उनके निर्देश पर ही अब सिर्फ गिनती के पदाधिकारी ही रविवार को विमानतल जाएंगे। इसमें एक प्रदेश महामंत्री, एक महिला प्रतिनिधि और रायपुर शहर और ग्रामीण जिलाध्यक्ष शामिल रहेंगे। प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी विमानतल से ठाकरे परिसर आने के बाद यहां से अमनपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। वहां पर मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद वापस ठाकरे परिसर आएंगे।

बेटी को पैतृक संयुक्त ...

बेमेतरा जिले के धंगांव गांव की 7.120 हेक्टेयर कृषि भूमि से जुड़ा है। जमीन पिता नानकू साहू के नाम दर्ज थी। उनकी मृत्यु 15 सितंबर 1980 को हो गई थी। इसके बाद बेटे डुलार साहू ने जमीन अपने नाम दर्ज करा ली। बेटी दुलारा बाई ने इस नामांतरण को चुनौती देते हुए वर्ष 2007 में जमीन में अपना हिस्सा मांगा। भाई ने हिस्सा देने से इनकार किया तो उसने बंटवारे और अलग कब्जे के लिए दीवानी मुकदमा दायर किया।

'सौरव दास ने नहीं दिया रेंट एग्रीमेंट', एसईएम कोर्ट ने मांगा दिल्ली में रहने का प्रमाण

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरव दास को पीस बॉन्ड भरने की प्रक्रिया के दौरान अपने दिल्ली निवासी होने का प्रमाण पत्र देने का निर्देश दिया है। कुछ दिन पहले ही सौरव दास और आशुतोष रांका को एसईएम कोर्ट से रिहाई मिली थी। पीस बॉन्ड उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने सौरव दास से दिल्ली में रहने का प्रमाण पत्र मांगा था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/26/44, तिथिः 06.10.2026

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	03262709A	पैड फॉर सेकेण्डरी सस्पेंशन	26.10.2026 At 10:30 hrs	871 नग
2	03262075A	एक्सल बॉक्स हाउसिंग	27.10.2026 At 10:30 hrs	434 नग
3	07261535B	मेन्युअल मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड, साईज-4x450 एमएम, क्लास ए2 (रूटिल टाईप), टाईप ऑफ कोटिंगः मीडियम.	26.10.2026 At 10:30 hrs	1772367 मीटर
4	01263588A	एलिमेंट इंजिन एयर फिल्टर	28.10.2026 At 10:30 hrs	1000 नग
5	03262970A	स्पेयर्स ऑफ ऑटोमेटिक प्रेशर मोडिफिकेशन (एएमपी) डिवाइस (ईएल-60) फॉर बीएमबीएस वैगन कंसिस्टिंग ऑफ 23 आइटम्स एज पर अटैच्ड एनेक्जर 'ए'।	27.10.2026 At 10:30 hrs	7185 सेट
6	03263402A	ब्रेक गियर पार्ट बेल क्रंक लिवर असेंबली.	10.11.2026 At 10:30 hrs	841 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक-III
सीपीआर/10/450 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

विज्ञापन संख्याः 01/2026

भारत सरकार
नागरिक उड्डयन मंत्रालय
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
में

सदस्य (प्रचालन)

पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने
की अंतिम तिथि

23/11/2026 (17:00 बजे तक) है।

नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को
नागरिक उड्डयन मंत्रालय में अग्रेषित करने की
अंतिम तिथि 03/12/2026 (17:00 बजे तक) है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट देखें।
https://www.civilaviation.gov.in

CBC 03111/15/0011/2627

कार्यालय, नगर पंचायत - भखारा, जिला - धमतरी (छ.ग.)
Phone & Fax No. 07705-296755 Email – cmobhakhara.613@rediffmail.com

क्रमांक / 2542 / न.पं. / लोनिवि / 2026-27 **मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना** भखारा, दिनांक 23/10/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत के फर्मों / ठेकेदारों से स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक के माध्यम से दिनांक 13.11.2026 शाम 5.00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न है :-

क्र.	कार्य का नाम	निविदा राशि (लाख में)
1	वार्ड क्र. 10 में दंतेश्वरी मंदिर से केवल निषाद घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	4.04
2	वार्ड क्र. 10 में शीतला मंदिर से निर्मला घाट तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.83
3	वार्ड क्र. 14 में कार्तिक मानिकपुरी घर से नया तालाब तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.24
4	वार्ड क्र. 13 में बहादुर घर से भुनेश्वरी घर होते हुए कल्याण घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.92
5	वार्ड क्र. 13 में संतोष साहू घर से हीरा साहू घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	6.79
6	विभिन्न वार्डों में हैण्ड पंप के पास (40 नग) रैन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	8.13
7	नगर पंचायत कार्यालय एवं मंगल भवन वार्ड क्र. 14 में 03 नग रैन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	1.02
8	विभिन्न एसबीएम शौचालयों में 09 नग रैन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	2.95
9	वार्ड क्र. 15 में आशीष नाहटा घर से रवि महेश्वरी घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.97
10	वार्ड क्र. 02 में शिव मंदिर से छत्तीसगढ़ महतारी कालेज तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	7.51
11	वार्ड क्र. 15 में गायत्री भवन में शेड निर्माण कार्य	1.72
12	वार्ड क्र. 10 में आदिवासी भवन के सामने पेवर ब्लाक कार्य	1.41

नोट :- उपरोक्त कार्य की निविदा शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है अथवा कार्यालयीन समय में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भखारा

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई– निविदा सूचना संख्या – RWD/SD/GODDA/25/2026-27

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्रम	प्रखंड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पोडैयाहाट	गोड्डा जिला के प्रखण्ड पोड़ैयाहाट के पंचायत धेनुकट्टा के ग्राम कोलहड़िया और ग्राम बेलतुप्पा के बीच नदी पर पुल निर्माण।	2,88,56,000.00	5,77,500.00	10,000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 02.11.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 02.11.2026 से दिनांक 21.11.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गोड्डा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 23.11.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9771979309
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
11. ई निविदा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
12. किसी भी निविदाकार के यंत्र–संयंत्र एवं बिड क्षमता के मापदंडों पर प्रत्येक में सक्षम होने पर ही तकनीकी योग्यता पर विचार किया जायेगा।
13. जिस संवेदक का विभाग में पूर्व आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोशजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
14. किसी भी संवेदक को कार्य आवंटन के उपरांत सबलेट करना एकरारनामा शर्त्त का उल्लंघन होगा एवं समुचित सूचना प्राप्त होने पर एकरारनामा रद्द करते हुए संवेदक को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जायेगी।
15. किसी भी संवेदक के कार्य आवंटन के क्रम में उनके ग्रामीण कार्य विभाग (ग्रा०वि०वि०+गु०मं०ग्रा०से०यो०) के अन्तर्गत कुल कार्य भार के आलोक में उपलब्ध यंत्र–संयंत्र एवं वित्तीय क्षमता की सीमा तक नये कार्य आवंटन पर विचार किया जायेगा।
15. पथ निर्माण विभाग, झारखंड, राँची का पत्र संख्या 2146 (S) दिनांक 09.09.2020 में निहित प्रावधान के आलोक में निविदा की कार्यवाही की जा रही है।
16. आमंत्रित निविदा के समय निर्धारण के लिए JPWD Code 2012 के Para-159a का अनुपालन किया गया है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गोड्डा।

PR 392341 Rural Development(26-27)D

राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

कार्यालय नगर पंचायत गीदम, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)
दूरभाष एवं फैक्स 07856-244910 Email-cmogeedam@gmail.com

क्रमांक / 1804/ लो.नि.वि./ न.पं. / 2026-27 गीदम, दिनांक 23/10/2026

--:: मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::--

नगर पंचायत गीदम क्षेत्रांतर्गत द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों / ठेकेदारों से जोनल निविदा अंतर्गत निम्न निर्माण / विकास खनन कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों / ठेकेदारों से त्रिलिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड-पंजीकृत डाक के माध्यम से निविदा प्रपत्र A,B एवं A,B,C में प्रचलित SOR CGPWD Building SOR & PWD Electrical SOR w.e.f. 10.06.2026 PWD Road SOR 15.06.2026 PHE SOR 01.06.2020 प्रतिशत दर पर (निविदा जारी दिनांक संशोधित दर अनुसार) आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा प्रारूप विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है।

1. निविदा प्रारूप में पंजीकृत डाक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथिः- 12.11.2026 समय 5.00 बजे
2. प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथिः- 13.11.2026 समय 3.00 बजे

क्र.	विवरण	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि रू. में	निविदा प्रपत्र शुल्क
1	स्टेशनरी सामग्री क्रय कार्य	5.00	3800.00	750.00
2	विद्युत सामग्री प्रदाय कार्य	9.90	7500.00	750.00
3	पाईप लाईन विस्तार कार्य	9.90	7500.00	750.00
4	फलैक्स प्रकाशन कार्य	7.50	5700.00	750.00
5	मोटर पंप स्टार्टर एवं अन्य मरम्मत क



तरकश

संजय के. दीक्षित

ड्रेस कोडः ब्यूरोक्रेसी का बुरा हाल

वैसे वर्दी के मामले में जो हाल पुलिस अधिकारियों का है, कमोवेश वही स्थिति ब्यूरोक्रेट्स का है। आश्चर्य होता है, मुख्यमंत्री की मीटिंगों में अफसर हाफ शर्ट पहनकर चले जाते हैं। पहले सीएम की मीटिंग का एक डेकोरम होता था...एग्जिक्यूटिव फुल शर्ट में जाते थे। आखिर, सीएम जैसे वीवीआईपी की मीटिंग अचानक तो होती नहीं। एक-दो दिन पहले से उसकी जानकारी होती है। हाफ शर्ट तो छोड़िये, कई सिकेट्री जैकेट के उपर आस्तिन चढ़ा लेते हैं। एक सीएस साहब तो हमेशा आस्तिन चढ़ाकर ही सीएम की मीटिंगों में जाते थे। सिस्टम को देखना चाहिए...वीवीआईपी बैठकों की अपनी एक गरिमा होती है।

आईएएस खतम, कंसलटेंट हॉवी

पहले माना जाता था...मसूरी में आईएएस अफसरों की ग्रूमिंग इस तरह की जाती है कि वह कोई भी विभाग चला सकता है। मगर नए दौर में कंसलटेंट ऐसा हॉवी होते जा रहे कि लगता है, कुछ दिन बाद आईएएस की उपयोगिता पर ही कहीं प्रश्न न खड़ा हो जाए। छत्तीसगढ़ में कुछ ज्यादा ही बुरा हाल है। सिस्टम में कंसलटेंट इतना हॉवी होते जा रहे कि बड़ी-बड़ी मीटिंगों में आजकल सिकेट्री के साथ बैठ रहे। एआई और चैट जीपीटी से प्रेजेंटेशन और रिपोर्ट तैयार किया जा रहा। इससे डेटा की सिक्यूरिटी का संकट खड़ा हो गया है। मंत्रालय के अफसर समझ नहीं पा रहे...एआई, चैट जीपीट अमेरिका की कंपनी है, अपना सारा डेटा बाहर जा रहा। इससे पहले इसी स्तंभ में हम इस पर लिख चुके हैं कि जब दसेक साल पहले जब आईएएस की कमी थी, तब कंसलटेंट की जरूरत नहीं पड़ी और आज थोक की संख्या में आईएएस हो गए हैं, तब कंसलटेंट की आवश्यकता क्यों? सिस्टम को भी इस खेल को समझना चाहिए। कंसलटेंट की आड़ में अलाली तो हो ही रही...खोखा का खेल भी चल रहा। वो भी बिना किसी रिस्क के। कंसलटेंट आज है, कल चला जाएगा। कभी किसी गड़बड़ी पर सवाल खड़ा होगा तो सिकेट्री मासूमियत से कह देंगे, कंसलटेंट का फैसला था। दूसरा, कंसलटेंट कंपनियां 50 हजार के आदमी को पांच लाख रुपए में अपाइंट करती है। सरकार से लेती है पांच लाख और उधर मुलाजिम से कैश में साढ़े चार लाख रुपए वापिस ले लेती है। साल में बिना कलम फंसाए अगर अफसरों को दो-तीन खोखा भी मिल गया तो क्या दिक्कत है। गंभीर यह भी...केंद्र सरकार ने बिग फोर कंपनी पर बैन लगाया है, खबर है उसे भी कई विभागों द्वारा काम सौंपा जा रहा। अगर ये बात सही है तो उसे तत्काल प्रतिबंधित करना चाहिए।

प्रोत्साहन का तरीका

आप कभी मंत्रालय जाएं तो एक नंबर गेट के पास एक स्क्रीन चलता दिखेगा। उस पर कई अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार लेते फोटो फ्लैश होता नजर आता है। दरअसल, टाईम पर ऑफिस आने और ई-ऑफिस में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने मुख्य सचिव विकास शील हर हफ्ते उन्हें सम्मानित करते हैं। और पूरे एक हफ्ता स्क्रीन पर उसके फोटो फ्लैश होते रहता है। मंत्रालय में आते-जाते बरबस स्क्रीन पर लोगों का नजर पड़ता है। जाहिर है, जिनसे काम लेना है, उन्हें प्रोत्साहित करने का ये एक तरीका है।

सिंगल पावर सेंटर

स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी बनने से अफसरों के एक वर्ग को भी झटका लगेगा। संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह भी नए हैं और स्मृति भी। पहले बीजेपी मुख्यालय असंतुष्ट अफसरों के लिए एक ठीहा था। मगर अब स्मृति के पास किसी को जाने का साहस नहीं। कुल मिलाकर सक्षम प्रशासन का फंडा यह है कि पावर सिंगल विंडो होना चाहिए। भले ही इसमें निरंकुश होने का खतरा बना रहता है। मगर इसके बिना काम भी नहीं होता। सिंगल पावर सेंटर से नेताओं और कार्यकर्ताओं को कतिपय शिकायतें हो सकती हैं मगर प्रशासनिक कसावट, रिजल्ट और अनुशासन की दृष्टि से सिंगल पावर सेंटर की अहमियत को खारिज नहीं किया जा सकता। अमूमन हर राज्य में ऐसा होता है, भले ही मुख्यमंत्रियों को इसके लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। मगर उन्हें भी पता है कि इसके बिना काम भी नहीं होने वाला।

हवा में छत्तीसगढ़ के मिनिस्टर



मध्यप्रदेश के दौर में देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बाद भी मंत्री सड़क मार्ग से दौरे करते थे। रास्ते में उनका स्वागत-सत्कार चलता था, कार्यकर्ताओं और लोगों से मुलाकातें भी। इससे फायदा यह होता था कि मंत्रियों को सरकारी कामकाज का फीडबैक भी मिल जाता था। मगर इन दिनों सूबे के मंत्रियों का हेलिकाप्टर और प्लेन का प्रेम ऐसा बढ़ा है कि वे सड़क मार्ग से निकलना ही नहीं चाह रहे। बता दें, रमन सिंह और भूपेश बघेल के टेन्योर में मंत्रियों को साल में दो-चार बार हेलिकाप्टर मिल गया तो बहुत था। मगर इस समय हालत जुदा है...अधिकांश मंत्रियों को हेलिकाप्टर चाहिए या प्लेन। रायपुर से बिलासपुर के लिए भी। कल की ही बात है। मंत्रियों को राष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल होने जगदलपुर जाना था। मंत्री भी सभी नहीं, पांच-सात ही थे। वे चाहते तो रात के डिनर के बाद जगदलपुर रवाना हो सकते थे। मगर उसके लिए दिल्ली से चार्टर प्लेन मंगाया गया। प्लेन वाले ने 70 लाख से अधिक चार्ज कर दिया। क्योंकि, उसने दिल्ली से रायपर आने, रायपुर से जगदलपुर और फिर जगदलपुर से रायपुर और रायपुर से खाली दिल्ली जाने का किराया जोड़ लिया। नए संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह को मंत्रियों को ताकीद करनी चाहिए...मंत्री ज्यादा हवा में न उड़े। सड़क मार्ग से चलेंगे तो फायदा मंत्रियों को होगा और सरकार तथा आम आदमी को भी। तभी तो मंत्रियों को भी पता चलेगा कि उनके रिजीम में सड़कों की क्या स्थिति है।

जख्म था पैर में, हाथ....

पीडब्लूडी मंत्री अगर सड़कों के गड्ढों की वजह से स्कूटी रैली में गिर जाएं तो समझा जा सकता है कि उनका दिल कितना जख्मी हुआ होगा...क्योंकि बाकी जख्म तो इलाज से चला जाता है, मगर...। बहरहाल, डिप्टी सीएम के जख्मी होने की बात चर्चा का विषय नहीं बनता और न पूर्व सीएम भूपेश बघेल को उनसे सहानुभूति जताते तंज कसने का मौका मिलता। असल में, हुआ ऐसा कि डिप्टी सीएम को लगा कि चोट हाथ में है और इसके बाद वे डांडिया में नाच दिए। जबकि, मेन जख्म पैर में था। डांस करने से तकलीफ बढ़ी तो एक्सरे हुआ और फिर प्लास्टर चढ़ाना पड़ा।



मंत्री अध्यक्ष?

छत्तीसगढ़ में कुछ दिनों से बीजेपी के अध्यक्ष बदलने की चर्चा बड़ी तेज है। चर्चा को पंख इसलिए भी लगा कि पार्टी प्रमुख किरण सिंहदेव कुछ दिन पहले हादसे में जख्मी हो गए थे। वैसे पहले से भी इस जिम्मेदारी को लेकर वे बहुत उत्सुक नहीं थे। पिछले साल तो मंत्री बनने को लेकर बयान भी दे दिए थे। वो तो पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तैयार नहीं हुआ और उन्हें फिर से पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया। बहरहाल, किरण सिंहदेव के बदलने के साथ ही विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल के एक सदस्य को अध्यक्ष बनाने की अटकलें जोर पकड़ी हुई है। असल में, किरण सिंहदेव का कोई ऐसा विकल्प नहीं दिखाई पड़ रहा, जिसके नेतृत्व में अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जा सकें। वो भी जेन जी के दौर में। जिस मंत्री का नाम प्रेसिडेंट के लिए उछल रहा...फेस बढ़ियां हैं। बृजमोहन अग्रवाल के बाद वे बीजेपी के दूसरे नेता होंगे, जिनका बलरामपुर से लेकर दंतेवाड़ा तक कार्यकर्ताओं का नेटवर्क है। हालांकि, ये बीजेपी है। जब तक फैसला हो नहीं जाता, तब तक कुछ कहा नहीं जा सकता।

स्टेट पॉलिटिक्स में तोखन

छत्तीसगढ़ बीजेपी के अध्यक्ष बनने वालों में एक नाम केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू का भी है। वैसे भी स्टेट की पॉलिटिक्स में उनकी दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। बताते हैं, तोखन अगर अध्यक्ष ना भी बनें तो अब लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके लिए तखतपुर विधानसभा सीट तैयार की जा रही। क्योंकि, बिलासपुर से अमर अग्रवाल को खो करना आसान नहीं, और ऐसे में अरुण साव के पास लोरमी के अलावा कोई चारा नहीं। ऐसे में अगर चर्चाओं को मानें तो धर्मजीत सिंह सेफ सीट कोटा शिफ्ट करने की तैयारी में हैं। धर्मजीत ने तोखन की लांचिंग के लिए तखतपुर के परसदा में उनके जन्म दिन पर मेगा शो कराया। कोटा कांग्रेस का गढ़ जरूर है मगर पिछले चुनाव में अटल श्रीवास्तव ने खुद के मैनेजमेंट से यह सीट निकाली वरना 500 किलोमीटर दूर से आए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कांग्रेस के गढ़ को हिला ही दिया था। धर्मजीत कांग्रेस में रहे हैं, कांग्रेस के भीतर उनके पराने संपर्क हैं ही, अब बीजेपी के नेकवर्क का लाभ भी मिलेगा। कोटा में बीजेपी के पास वैसे भी हमेशा कंडिडेट का टोटा रहा है। 73 साल के धर्मजीत चुनाव तक 75 के हो जाएंगे। सो, आखिरी चुनाव के नाम पर सहानुभूति लेने का प्रयास भी होगा। बहरहाल, बात तोखन की तो उनके लिए भी तखतपुर आसान नहीं रहेगा। राजू सिंह क्षत्री, हर्षिता पाण्डेय का भी अपना प्रभाव है। धर्मजीत जैसे खांटी पॉलिटिशियन के जब तखतपुर सीट छोड़ने की हवा उड़ रही तो तोखन साहू को भी वहां सब कुछ आसान नहीं रहेगा...बशर्ते वे तखतपुर से चुनाव लड़ें।

मंत्री-विधायकों में अज्ञात भय

छत्तीसगढ़ की सत्ता के शीर्ष गलियारों और राजधानी रायपुर के सत्ताधारी खेमे में इन दिनों एक अजीब माहौल को महसूस किया जा रहा है। सत्ता की चमचमाती गाड़ियों में घूमने वाले मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के चेहरों पर साफ तौर पर एक अनजाना दबाव पढ़ा जा सकता है। कारण? 25 अक्टूबर से भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास शुरू हो रहा है। उनके आगमन की खबर ने नेताओं और अफसरों की नींद उड़ा दी है। प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर कसते इस शिकंजे के बीच केवल एक ही सवाल हर मंत्री और विधायक की जुबान पर तैर रहा है, क्या स्मृति राज के आगाज के साथ ही कुछ बड़ा होने वाला है? जाहिर है, स्मृति ईरानी के रायपुर की धरती पर कदम रखने से पहले ही दिल्ली से आए फरमानों ने सत्ता और संगठन के बड़े-बड़े महारथियों के पसीने छुड़ा दिए हैं। इस बार हवाई अड्डे से लेकर राजधानी की सड़कों पर होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर या भव्य कट-आउट्स नहीं लगाए जाएंगे। यही नहीं, स्मृति के यहां से एक अत्यंत गोपनीय और सख्त चिट्ठी भेजी गई है। इसमें राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और प्रदेश पदाधिकारियों का डिजिटल ऑडिट माँगा गया है। इस रिपोर्ट कार्ड की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें नेताओं की व्यक्तिगत ब्रांडिंग, आत्ममुग्धता वाली पोस्टर्स या निजी दौरों के प्रचार को पूरी तरह खारिज कर दिया गया है। ऐसे में, मंत्री, विधायकों में डर तो फैलेगा ही।

सरकार, विभाग और बपौती!



छत्तीसगढ़ में गजबे हो रहा...पिछली सरकार में डीपीआई में दो राप्रसे अधिकारियों को पोस्ट किया गया तो वहां के मुलाजिम हाई कोर्ट चले गए और इस बार हेल्थ में प्रशासनिक अधिकारियों को बिठाने पर आयुष्मान योजना के नोडल अफसर हाई कोर्ट की शरण में पहुंच गए। ये तो एक तरह की बपौती सरीखा मामला बनता जा रहा। किसको कहां पोस्ट करना है, कहां काम कराना है, ये तय करना सरकार का काम है कि मुलाजिमों का। ऐसे में तो शिक्षकों से इतना सारा कार्य कराया जाता है, वे भी कोर्ट चले जाएंगे। सर्वविदित है, आईएएस के पोस्ट पर कई बार नॉन आईएएस अफसर की पोस्टिंग कर दी जाती है, तब ताकतवर आईएएस लॉबी तो कोर्ट नहीं जाती। सरकार को इस मामले में कड़ा स्टैंड लेना चाहिए वरना लोग सिस्टम को हल्के में लेने लगेंगे। हालांकि, सरकार ने इस बार जरा दमदारी दिखाने की कोशिश की है। आयुष्मान के नोडल अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है।

हफ्ते का कोट

'यह एक सामाजिक और व्यावहारिक सच्चाई है कि दुनिया अक्सर ताकतवर, सफल या प्रभावशाली पक्ष के साथ खड़ी होती है। गरीब या कमजोर, लाचार व्यक्ति के साथ नहीं।'

अंत में दो सवाल आपसे?

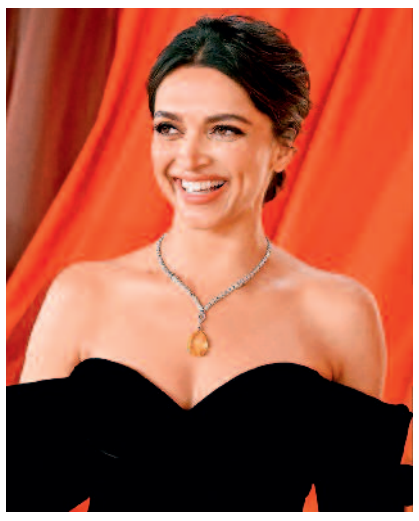
1. क्या किसी कलेक्टर को तांत्रिक अनुष्ठान के लिए नवरात्रि के लॉ एंड आर्डर के दौरान लंबी छुट्टी देने का कोई प्रावधान हैं?
2. एक ऐसे मंत्रीजी का नाम बताइये, जिन्हें अपने विशेष मेकेनिज्म पर इतना भरोसा है कि उन्हें लगता है कि कोई हिला नहीं पाएगा?



'किंग' में शाहरुख संग गाने से मचाएंगी धमाल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण आगामी फिल्म 'किंग' के लिए फिर साथ आएंगे। क्रिसमस, 2026 पर इसकी रिलीज से पहले, दोनों कलाकार एक गाने की शूटिंग साथ करने वाले हैं। इसे कोरियोग्राफ करने की जिम्मेदारी कथित तौर पर वैभवी मर्चेंट ने उठाई है। बताया जा रहा है कि निर्माताओं ने इस सीक्वेंस के लिए तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी हैं। गाने की शूटिंग के लिए 26 अक्टूबर का दिन चुना गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस गाने में फिल्म की पूरी कास्ट के शामिल होने की उम्मीद है। निर्माताओं ने इसके लिए मुंबई में तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, गाने का शीर्षक, म्यूजिक कंपोजर और दूसरे क्रिएटिव कोलेबोरेटर्स के बारे में जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कहा जा रहा है कि इसकी कोरियोग्राफी वैभवी करेंगी। पहले भी फिल्म के सेट से शाहरुख और दीपिका के कुछ क्लिप सामने आए थे, जिनमें दोनों गाने की शूटिंग कर रहे थे। 'किंग' इस साल की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्माण शाहरुख के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले



किया गया है। इसके निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ आनंद ने उठाई है। 2023 में आई 'पठान' और 'जवान' के बाद, शाहरुख इस फिल्म में एक बार फिर एक्शन का तड़का लगाते दिखेंगे।

श्रेयस व सुभाष ने 20 साल बाद मिलाया हाथ

मुंबई। श्रेयस तलपड़े और दिग्गज फिल्मकार सुभाष घई नई फिल्म 'मान्या' के लिए साथ आए हैं। सिनेमा में 50 साल पूरे करने के उपलक्ष्य में, घई ने ऐलान किया है कि उनका प्रोडक्शन हाउस, मुक्ता आर्ट्स श्रेयस के साथ फिर से काम कर रहा है। यह परियोजना 20 साल बाद उनकी वापसी का प्रतीक होगी।



इससे पहले, श्रेयस और घई ने 2005 में आई फिल्म 'इकबाल' में काम किया था। इसमें अभिनेता एक उभरते हुए क्रिकेटर के किरदार में दिखे थे। घई ने श्रेयस के साथ काम करने पर कहा, इस फ़िल्म के लिए श्रेयस तलपड़े के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वह एक बहुत ही वर्सेटाइल एक्टर हैं जिन्होंने 'इकबाल', 'अपना सपना मनी मनी' (2006) और 'गोलमाल अगेन' (2017) जैसी फिल्में के जरिए अपनी रेंज दिखाई है। उन्होंने कहा, इस फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस ने एक बार फिर मुझे याद दिलाया है कि वह किसी किरदार में असलीपन और गहराई कैसे लाते हैं। बताया जा रहा है कि 'मान्या' झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले एक नाबालिग चोर की कहानी है। इसके निर्देशन की कमान समीर जोशी ने उठाई है, जिन्हें मराठी सिनेमा में उनके काम के लिए जाना जाता है। फिल्म की रिलीज तारीख का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

'तनु वेड्स मनु-3' में नहीं दिखेंगी कंगना

मुंबई। कंगना रनौत और आर माधवन की लोकप्रिय फिल्म 'तनु वेड्स मनु' तीसरी कड़ी के साथ वापसी करने जा रही है। करीब एक दशक से ज्यादा समय बाद निर्माता 'तनु वेड्स मनु: द नेक्स्ट चैप्टर' लेकर आ रहे हैं। कुछ समय पहले ही फिल्म का ऐलान किया गया था, जिसके बाद से फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, इस बार कहानी पुराने किरदारों को आगे बढ़ाने के बजाय एक नए अध्याय के रूप में पेश की जाएगी। निर्देशक मिताक्षरा 'तनु वेड्स मनु 3' पर काम कर रही हैं।

प्रियंका के जाते ही विद्या ने संभाली कमान 19 साल बाद सैफ से मिलाया हाथ

मुंबई। सैफ अली खान अपनी 'परिणीता' सह-कलाकार विद्या बालन संग रितेश बत्रा की फिल्म में नजर आएंगे। मुंबई में शूटिंग कर रही ये जोड़ी 19 साल बाद साथ आई है। पहले इस रोल में प्रियंका चोपड़ा नजर आने वाली थीं, लेकिन उनके अलग होने के बाद विद्या बालन की एंट्री हुई। भले ही सैफ-विद्या की आखिरी फिल्म 2007 में 'एकलव्य' थी, पर सेट के सूत्रों का कहना है कि उनकी केमिस्ट्री देखकर लगता है जैसे कल ही साथ काम किया हो।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में सैफ के साथ एक और अभिनेत्री नजर आएंगी। ये भूमिका मशहूर फ्रांसीसी अभिनेत्री, निर्देशक और गायिका मेलानी लॉरेंट निभाएंगी। लॉरेंट ने फ्रेंच और हॉलीवुड सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई है। उधर 'द लंचबॉक्स' के निर्देशक रितेश बत्रा इससे पहले इरफान खान, रॉबर्ट रेडफोर्ड और जिम ब्रॉडबेंट जैसे कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं। अब वो सैफ के साथ नई फिल्म बना रहे हैं, जिसमें सैफ अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाएंगे।



प्रियंका क्यों हुईं प्रोजेक्ट से बाहर?

फिल्म एक प्रेम कहानी है, जिसमें पारिवारिक ड्रामा भी देखने को मिलेगा। पहले इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के होने की चर्चा थी, लेकिन शूटिंग की तारीखें न मिलने के कारण उन्होंने ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया। 21 अक्टूबर से मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। प्रियंका के फिल्म से बाहर होते ही विद्या बालन ने कमान संभाल ली। अब फैंस सैफ और विद्या की जोड़ी को दोबारा बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्सुक हैं।





फिजिकल गोल्ड, ईटीएफ और म्यूचुअल फंड के फायदे और सीमाएं

सोने में निवेश का सही रास्ता चुनें चमक ही नहीं लागत को भी देखें

खरीद-बिक्री का खर्च, सुरक्षा, निवेश की सुविधा और लागत तय करेंगे वास्तविक मुनाफा

बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोले, केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं, क्षमता को जानें

बिजनेस डेस्क

सोना भारतीय परिवारों के लिए केवल आभूषण या परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि मुश्किल वक्त का भरोसेमंद सहारा भी रहा है। महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने को जगह देना पसंद करते हैं। हालांकि, अब सोने में निवेश का मतलब केवल गहने या सिक्के खरीदकर तिजोरी में रखना नहीं रह गया है। बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोल दिए हैं। कोई फिजिकल गोल्ड खरीदता है, तो कोई गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) या गोल्ड म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करता है। तीनों विकल्पों का उद्देश्य सोने की कीमत में होने वाली बढ़ोतरी से लाभ उठाना हो सकता है, लेकिन इनकी लागत, खरीदने-बेचने की प्रक्रिया, सुरक्षा और निवेश की सुविधा अलग-अलग है। इसलिए केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि कौन-सा विकल्प आपकी जरूरत, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुकूल है।



फिजिकल गोल्ड

फिजिकल गोल्ड में निवेश का सबसे पारंपरिक तरीका सोने के सिक्के, छड़ या आभूषण खरीदना है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक के पास सोना वास्तविक रूप में मौजूद रहता है। जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल उपहार देने, पारिवारिक आयोजनों या अन्य व्यक्तिगत जरूरतों के लिए भी किया जा सकता है। हालांकि, निवेश के नजरिये से आभूषण और सोने के सिक्के एक जैसे नहीं हैं। गहने खरीदते समय मेकिंग चार्ज और लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का खर्च जुड़ता है। दोबारा बेचने पर मेकिंग चार्ज सामान्यतः वापस नहीं मिलता। शुद्धता की जांच, दुकानदार की खरीद नीति और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर के कारण भी वास्तविक मुनाफा घट सकता है। सिक्कों और छड़ों में आमतौर पर आभूषणों की तुलना में मेकिंग चार्ज कम होता है, फिर भी खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य का अंतर ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, घर में सोना रखने पर चोरी या गुम होने का जोखिम रहता है। बैंक लॉकर में रखने पर अतिरिक्त खर्च हो सकता है। इसलिए जो लोग केवल निवेश के लिए सोना खरीदना चाहते हैं, उन्हें आभूषणों के बजाय कम अतिरिक्त लागत वाले विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ ऐसे निवेश फंड हैं, जिनकी इकाइयां शेयर बाजार में खरीदी और बेची जाती हैं। ये आमतौर पर भौतिक सोने में निवेश करते हैं और सोने की कीमत में होने वाले बदलाव के अनुरूप रिटर्न देने का लक्ष्य रखते हैं। इस तरह निवेशक को घर में सोना रखने, उसकी सुरक्षा करने या शुद्धता की जांच कराने की चिंता नहीं करनी पड़ती। गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। निवेशक बाजार खुलने के दौरान प्रचलित भाव पर यूनिट खरीद या बेच सकता है। हालांकि, वास्तविक लेनदेन मूल्य बाजार में मांग-आपूर्ति, खरीद-बिक्री के अंतर और फंड की शुद्ध परिसंपत्ति कीमत से प्रभावित हो सकता है। इस विकल्प में फंड का प्रबंधन खर्च, ब्रोकरेज और अन्य लागू शुल्क रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं। निवेश से पहले एक्सपेंस रेशियो, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर की तुलना करनी चाहिए। केवल किसी ईटीएफ की एक यूनिट का भाव कम होने से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि वह दूसरे फंड से सस्ता है। अलग-अलग फंड की एक यूनिट के पीछे सोने की मात्रा अलग हो सकती है।

गोल्ड म्यूचुअल फंड

जिन निवेशकों के पास डीमैट खाता नहीं है या जो हर महीने नियमित रकम निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक विकल्प हो सकते हैं। ऐसे फंड आमतौर पर गोल्ड ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करते हैं। निवेशक इनमें एकमुश्त रकम लगा सकता है या अपनी क्षमता के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिए नियमित निवेश कर सकता है। इन फंडों में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट खाते की आवश्यकता नहीं होती। निवेशक संबंधित म्यूचुअल फंड की प्रक्रिया के अनुसार सीधे निवेश कर सकता है।

तीनों विकल्पों में कैसे करें तुलना?

- **कुल लागत:** फिजिकल गोल्ड में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और खरीद-बिक्री का अंतर देखें। ईटीएफ व म्यूचुअल फंड में कुल खर्च की तुलना करें।
- **निवेश की सुविधा:** नियमित मासिक निवेश के लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक हो सकता है, जबकि बाजार में खुद यूनिट खरीदने-बेचने के लिए ईटीएफ उपयोगी है।
- **सुरक्षा:** फिजिकल गोल्ड की सुरक्षा निवेशक की जिम्मेदारी है। डिजिटल निवेश विकल्पों में भौतिक भंडारण की चिंता नहीं होती, लेकिन बाजार और फंड से जुड़े जोखिम बने रहते हैं।
- **निकासी:** निवेश से पैसा निकालने की प्रक्रिया और उसमें लगने वाले समय को समझें। ईटीएफ की बिक्री बाजार के कारोबार पर निर्भर करती है, जबकि म्यूचुअल फंड में लागू निकासी नियम महत्वपूर्ण हैं।
- **कराधान:** कर नियम निवेश के प्रकार, खरीद की तारीख और लागू कानूनों के अनुसार अलग हो सकते हैं। इसलिए पुराने नियमों के आधार पर अनुमान लगाने के बजाय निवेश के समय मौजूदा कर प्रावधानों की पुष्टि करें।

पोर्टफोलियो में संतुलन जरूरी

सोने में निवेश का उद्देश्य केवल अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाना भी हो सकता है। हालांकि, सोने की कीमतें भी घटती-बढ़ती हैं और कोई भी विकल्प निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं देता। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड में निवेश करने से सोने की कीमतों से जुड़ा जोखिम समाप्त नहीं होता। निवेशकों को अपनी पूरी बचत सोने में लगाने के बजाय उसे अन्य निवेश साधनों के साथ संतुलित रखने पर विचार करना चाहिए। आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त नकदी और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश योजना भी जरूरी है।

श्री शिवम ने लॉन्च किया डिजाइनर फेस्टिव कलेक्शन, मिडनाइट शॉपिंग का भी मिलेगा मौका

रायपुर। दिवाली और आगामी वेडिंग सीजन को देखते हुए फैशन स्टोर श्री शिवम ने 'डिजाइनर फेस्टिव एडिट कलेक्शन 2026' लॉन्च किया है। 'दिल से दिवाली, हर रिश्ते के लिए' अभियान के तहत पेश किए गए इस कलेक्शन में पारंपरिक भारतीय परिधानों के साथ आधुनिक फैशन ट्रेंड्स को शामिल किया गया है। ग्राहकों की सुविधा के लिए मिडनाइट शॉपिंग की पहल भी की गई है, जिससे वे परिवार के साथ देर रात तक खरीदारी का आनंद ले सकेंगे। फेस्टिव सीजन में ग्राहकों को खरीदारी का अलग अनुभव देने के लिए मिडनाइट शॉपिंग की सुविधा भी शुरू की गई है। इसका उद्देश्य दिनभर व्यस्त रहने वाले ग्राहकों को परिवार के साथ सुविधाजनक तरीके से खरीदारी का अवसर देना है। दिवाली के साथ आगामी शादी के सीजन को ध्यान में रखते हुए भी कलेक्शन में विभिन्न डिजाइन और स्टाइल के परिधान शामिल किए गए हैं। श्री शिवम की रायपुर, दुर्ग, नागपुर, भोपाल, जबलपुर और छिंदवाड़ा सहित मध्य भारत के प्रमुख शहरों में मौजूदगी है। नए कलेक्शन के जरिए ब्रांड ने पारंपरिक भारतीय फैशन को आधुनिक पीढ़ी की पसंद से जोड़ने और ग्राहकों को एक ही छत के नीचे विविध विकल्प उपलब्ध कराने पर जोर दिया है।



महिलाओं से लेकर बच्चों तक के लिए विकल्प

कलेक्शन में महिलाओं के लिए डिजाइनर साड़ियां, लहंगे, एथनिक सूट और फ्यूजन वियर शामिल हैं। वहीं, पुरुषों के लिए ट्रेंडी कुर्ता सेट, इंडो-वेस्टर्न और आधुनिक एथनिक परिधानों की रेंज पेश की गई है। बच्चों के लिए भी आकर्षक डिजाइन और आराम को ध्यान में रखते हुए कपड़े उपलब्ध कराए गए हैं। कलेक्शन में अलग-अलग उम्र और पसंद के ग्राहकों के लिए विकल्प रखे गए हैं।

पारंपरिक परिधानों के साथ मॉडर्न फैशन

श्री शिवम ने इस बार युवाओं की पसंद और बदलते फैशन ट्रेंड्स पर विशेष ध्यान दिया है। आकर्षक रंगों, नए पैटर्न और आधुनिक डिजाइन वाले परिधानों के जरिए पारंपरिक और समकालीन फैशन का मेल प्रस्तुत किया गया है। ग्राहक दिवाली पूजन, पारिवारिक समारोहों और अन्य उत्सवी आयोजनों के लिए अपनी पसंद के कपड़े चुन सकेंगे।

देवभोग का डिस्ट्रीब्यूटर मीट संपन्न विक्रेताओं की समस्याओं पर हुई चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ (देवभोग) की ओर से बिलासपुर में डिस्ट्रीब्यूटर मीट का आयोजन किया गया। इसमें बिलासपुर, रायगढ़ और अंबिकापुर प्लांट के अंतर्गत आने वाले वितरकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महासंघ के प्रबंध संचालक डॉ. जे. कृष्णा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में डॉ. कृष्णा ने वितरकों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। उन्होंने व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार करने का आश्वासन देते हुए वितरकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। बैठक का उद्देश्य वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाने और बाजार में देवभोग की पहुंच बढ़ाने के लिए आपसी संवाद को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन मार्केटिंग हेड अजय सिंह मीणा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान देवभोग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। बैठक में वितरकों और महासंघ के बीच संवाद को मजबूत बनाने तथा कार्यप्रणाली में सुधार के लिए सहयोग की भावना पर जोर दिया गया।



रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

नौकरी के दौरान नियमित बचत करके रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना जितना जरूरी है, उतना ही अहम यह तय करना भी है कि रिटायरमेंट के बाद उस पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जाए। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले कई लोगों को लगता है कि 60 साल की उम्र पूरी होते ही उन्हें पूरा पैसा निकालना होगा या फिर तुरंत पेंशन शुरू करनी पड़ेगी। लेकिन ऐसा हर स्थिति में जरूरी नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के नियमों में निवेशकों को निकासी और पेंशन की योजना बनाने के लिए कई विकल्प दिए गए हैं। इनमें एकमुश्त रकम निकालने, निकासी को आगे टालने और निर्धारित अवधि में किस्तों के जरिए पैसा लेने जैसे विकल्प शामिल हैं। हालांकि, कौन-सा विकल्प उपलब्ध होगा और कितनी रकम निकाली जा सकेगी, यह एनपीएस खाते की श्रेणी, कुल जमा फंड और लागू नियमों पर निर्भर करता है। इसलिए रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे निवेशकों को पहले अपने खाते पर लागू प्रावधान समझने चाहिए।

आईपीओ में पैसा लगाने से पहले परखें कंपनी की असली ताकत

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब भी किसी कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आता है, निवेशकों के बीच उसे लेकर उत्सुकता बढ़ जाती है। ग्रे मार्केट प्रीमियम, संभावित लिस्टिंग गेन और दूसरे निवेशकों की दिलचस्पी के आधार पर कई लोग आवेदन करने का फैसला कर लेते हैं, लेकिन किसी आईपीओ में भारी मांग होना इस बात की गारंटी नहीं है कि कंपनी भी उतनी ही मजबूत है या उसके शेयर से अच्छा मुनाफा मिलेगा। कई बार आकर्षक प्रचार के पीछे कमजोर वित्तीय स्थिति, बढ़ता कर्ज या जरूरत से ज्यादा मूल्यांकन छिपा हो सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे कंपनी की असली स्थिति समझने के बाद ही पैसा लगाने का फैसला करें। इसके लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम, प्रबंधन, प्रमोटर्स और आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम के इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है। दस्तावेज बड़ा जरूर होता है, लेकिन कुछ अहम पहलुओं पर ध्यान देकर निवेशक बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

1. कंपनी का कारोबार और कमाई का आधार समझें

आईपीओ में निवेश करने से पहले सबसे पहले यह समझें कि कंपनी क्या कारोबार करती है, उसके ग्राहक कौन हैं और उसकी कमाई किन उत्पादों या सेवाओं से होती है। यह भी देखें कि कंपनी जिस क्षेत्र में काम करती है, वहां भविष्य में कारोबार बढ़ने की कितनी संभावनाएं हैं और प्रतिस्पर्धा कितनी कड़ी है। केवल कंपनी के विस्तार संबंधी दावों पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टीचर

Wanted- Reputed English/Hindi Medium School (Pragati Vidyalaya, Bhanpuri, Raipur) Requires Qualified and Experienced staff for the following posts: PGT (Hindi Teacher) TGT (Science Teacher)Salary: As per experience and qualification.Interested candidates can contact immediately on the numbers given below: Contact Numbers: 9754955511, 9770598985.(आरो-100)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव कम से कम 5 वर्ष, शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास वेतन 20,000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने की व्यवस्था स्थान सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क:- 9109136936, 9109972720. (आरो-096)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

पंप कर्मी

आवश्यकता है- लड़कियों की आवश्यकता है। पेट्रोल पंप में कार्य करने के लिए इच्छुक उम्मीदवार अपने बायोडाटा के साथ संपर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, रायपुर । मो.- 8109135400, 9179380728. (आरो-72)

दुकान/गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- फटाका दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है। योग्यता- मेहनती व ईमानदार वेतन- 8000- 15000 दिवाली बोनस दिया जाएगा संपर्क करें- डागा फायर्स आजाद चौक रायपुर मो. 9340585453. (आरो-235)

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान और गोडाउन में काम करने के लिए। युवा लड़कों की आवश्यकता है जो मेहनती हों और 5वीं पास हों। वेतन 15,000 /- से शुरू होगा, योग्यता के अनुसार। स्थान: नहारपारा - पीथलिया प्लाजा, फाफाडीह चौक & बॉम्बे मार्केट, राज टॉकीज के सामने। कॉल करें - 9302702087.(आरो-4196)

सेल्समैन/ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता है- सेल्समेन, सेल्सगर्ल एवं ड्राइवर की। पता अरुण कुमार एंड सन उतई महिमा हॉस्पिटल के सामने एवं संजय फर्नीचर दक्षिण गंगोत्री सुपेला भिलाई (आरो-347)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता हैं। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो. 7828644611.(आरो-001)

कम्प्युटर/कॉलिंग कार्य

आवश्यकता है- कम्प्यूटर के साथ टेलीकालर कार्य हेतु लडकियों की आवश्यकता है श्रीमारुती कोरियर, कार्नरहाऊस, कालीमाता मंदिर के आगे, रिंगरोड 1, कुशालपुर रायपुर, काल-वाटशप 9425242949. (आरो-362)

ऑपरेटर/इंजीनियर

आवश्यकता है- (1) महिला- ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, Email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) (2) पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग व सर्विस इंजीनियर (3) ऑर्थोपेडिक TKR, THR Joints & Arthroscopy सर्जरी कराने (4) सामान लाने ले जाने+ आफिस जनरल काम हेतु (5) Ecco चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए वेतन 13000 से 30000 पता- पिनाका मेडिकल सिस्टम , Sec-11A , कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829. (आरो-42156)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

इंजीनियर/सुपरवाइजर

URGENT REQUIREMENT
Civil Engineer, Site Supervisor & Plumber
-:Work:-
Civil Construction Works (GOVT.)
Location: Jashpur and Raipur
Salary:- Negotiable
Interested Candidates Email or WhatsApp
WhatsApp 9907265169 6260469972
-:E-mail:-
jobs.saecr@gmail.com

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर शहर में गैस सिलेंडर डिलवरी हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइवर को bolero महेंद्रा पिकअप चलाने का अनुभव होना चाहिए तथा हेवी व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस (Heavy Vehicle License) अनिवार्य है। रायपुर का स्थानीय निवासी होना। वेतन- 18,000/- प्रतिमाह। सम्पर्क:- 9183313130, 9179829993. (आरो-54)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य, वेतन 15,000 प्रतिमाह। कार्य समय : सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक , संपर्क करें: 9826708233 ,पता: 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (आरो-SPD/0095)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- ईमानदार व परिश्रमी, चालाक लड़का जो टू व्हीलर चलाना जानता हो ऑफिस साफ सफाई व्यवस्था मेंटेन कर सके फ्रेशर भी संपर्क कर सकते है मोबाइल:- 9399463415.(आरो-097)

गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- गोंदवारा (भनपुरी) रायपुर में टायर कम्पनी के गोडाउन में काम करने 10वीं/ 12वीं पढ़े 2 मेहनती युवकों की आवश्कता है, वेतन 10 से 11 हजार, कार्य समयः सुबह 10 से रात 8 Mob. 7879871774. (आरो-239)

ऑपरेटर/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- ELITE ELECTRICAL & SOLAR POWER Shop No. 6, Risali, Bhilai, 02- कंप्यूटर ऑपरेटर, 02- इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियन की आवश्यकता है। वेतनः 10,000–15,000 प्रतिमाह (योग्यता अनुसार) इच्छुक उम्मीदवार अपना Resume WhatsApp करें। मो. 99770-00162. (आरो - 346)

सेल्समैन

आवश्यकता है- पैथालाजी सामग्री की मार्केटिंग करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- फाफाडीह चौक के पास, मोती सागर होटल के पीछे रायपुर 8269090186, 9893470141. (आरो-42157)

हरिभूमि क्लासीफाईड

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- अनुभवी ड्यूटी डॉक्टर - 6 (MBBS /BAMS/ BHMS), ICU ड्यूटी डॉक्टर 2, नर्सिंग स्टाफ 10 (B.Sc./ GNM), OT टेक्नीशियन 3, फ्लोर मैनेजर 1, रिसेप्शनिस्ट 2, ड्रेसर 2 की आवश्यकता है। पता: ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल, डी.डी. नगर, रिंग रोड नं. 1, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 9993111117, 7880085048, 9131216229.(आरो-4198)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- तुरंत भर्ती! आकर्षक वेतन! भारत मेडिकल स्टोर्स, ए-मार्केट, सेक्टर 6 हेतु सेल्समैन एवं सेल्स गर्ल्स तथा बी.एम. फार्मा, रिसाली हेतु अनुभवी फील्ड स्टाफ चाहिए। संपर्क: 9285284000.(आरो न.-4177)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है- बिलासपुर सकरी मेन रोड से लगी कॉलोनी में सभी साइज, सुविधाओं सहित प्लॉट उपलब्ध रेलवे स्टेशन, कालेज, हॉस्पिटल्स, स्कूल, पेट्रोल पम्प मेन मार्केट से लगा रेट 1800/- वर्गफुट सम्पर्क- 9893958173. (आरो-42041)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक

खरीदी/बिक्री

खरीदी बिक्री- भाटागांव, चंगोराभाटा, रायपुरा काठाडीह, अमलेश्वर, खुड़मुड़ा प्रोफेसर कालोनी, डी. डी. नगर मे जमीन एंव मकान खरीदी बिक्री के लिए संपर्क करें। मो:- 7723023077, 7000058909. (आरो-237)

मकान

बेचना है - रायपुरा मे 850 वर्गफुट पर 2 बी.एच.के., पीओपी., सेपरेट बोर, कार पोर्च नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त मकान 5 लाख दें कर अपना शीघ्र रजिस्ट्री कराने पर विशेष छुट फाइनेंस सुविधा संपर्क:- 9300505421.(आरो-099)

Business व्यापार

बिजनेस- पेपर बफे थाली प्लेट दोना एवं खुशबू अगरबत्ती हेतु निर्माता चाहिए, प्रतिमाह आय 21000 रु. दिवाली से 1 माह वेतन के बराबर बोनस 21000 रु. सहित दिवाली में 42000 रु. पश्चात नियमित 21000 रु. प्रति माह. आय मशीन व कच्चा माल की प्रथम लागत 10 से 15 लाख नियम शर्तें लागू संपर्क राधा कृष्ण सेवा संस्थान रायपुर. मों. 8109100493, 9669178483. कृष्ण कुमार वैष्णव पी.एम. आवास 580, ब्लॉक नंबर 6 दलदल सिवनी रायपुर छ.ग. मो. 8109100493.(आरो-238)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध - शहर के हृदयस्थल, भाटागांव, बसस्टैंड के सामने, रिंगरोड पर गोदाम हेतु 2000, 1750, 200 एवम 10000 वर्गफीट, खुला जमीन किराये पर उपलब्ध सेक्युरिटी गार्ड, पानी सुविधा संपर्क- 9827116606. (आरो-421)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9438611245.(आरो-098)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, जांचे की राशि उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी तरह-एवं पर अग्रिम राशि या पहले आपसी तालमेल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लिये या व्यक्तिगत से विवेक लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में लिए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के समाचारों किसी विज्ञापन के संबंध में दावा किसी कानून के मामले और विज्ञापन दाताओं के अपने दावों का दावा न उठाने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152





भारत का 300वां मैच, 200वीं जीत तिलक और नीतीश ने पलटा मैच

भारत ने तिलक वर्मा (नाबाद 51 रन) के अर्धशतक और नीतीश कुमार रेड्डी (नाबाद 26 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 30 गेंद में 69 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत शुरुआती झटकों से उबरते हुए शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड पर एक गेंद रहते 4 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। भारत ने 300वें मैच में 200वीं जीत (टाई मुकाबले जोड़े बगैर) दर्ज की।

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

तिलक (26 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) और नीतीश कुमार (13 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली, जब टीम 15वें ओवर में 112 रन पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। लेकिन दोनों ने सूझबूझ और संयम से बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 181 रन बनाकर भारत को 5 मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे कर दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर (4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की ओर बढ़ रही थी। पर तिलक ने फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच उनके हाथों से छीन लिया।

टीम इंडिया की खराब शुरुआत

भारतीय गेंदबाजों ने पहले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन मेजबान टीम ने ग्लेन फिलिप्स (70) और बेवोन जैकब्स (56) के अर्धशतकों के बाद 5 विकेट पर 180 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत के लिए शुरुआत इतनी अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरू में लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। मध्यक्रम बल्लेबाज नमन धीर ने 31 रन, अभिषेक शर्मा ने 27 रन, संजू सैमसन ने 14 रन और अक्षर पटेल ने 11 रन बनाए। भारत को पहला झटका पांचवें ओवर में जैकब डफी ने सैमसन को आउट करके दिया, जो धीमी गेंद को जल्दी खेलकर ग्लेन फिलिप्स के हाथों लपके गए, तब टीम का स्कोर 40 रन था।



- तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने 7वें विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी
- न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए
- अभिषेक के पावरप्ले में 100 छक्के
- भारतीय साझेदारी का बना रिकॉर्ड
- तिलक ने फील्डिंग में बनाया रिकॉर्ड

अर्शदीप ने भुवी का रिकॉर्ड तोड़ा

अर्शदीप सिंह ने इस साल अभी तक 29 मैचों की 26 पारियों में बॉलिंग की है। 9.25 की इकोनॉमी से रन देकर उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 51 रन देकर 5 विकेट है।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड पारी :	रन	गेंद	4	6
सीफर्ट का तिलक बो अर्शदीप	7	6	0	1
फिन एलेन बो प्रिंस	16	14	0	1
मिचेल का तिलक बो भुवनेश्वर	6	5	1	0
फिलिप्स का धीर बो अर्शदीप	70	43	4	4
जैकब्स का अक्षर बो रेड्डी	58	46	5	1
मिचेल सैंटनर नाबाद	4	5	0	0
मिचेल ब्रेसवेल नाबाद	10	2	1	1
अतिरिक्त : 9 रन				
योग : 20 ओवर में 180/5 रन				
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-50-1, अर्शदीप 4-0-33-2, प्रिंस 4-0-30-1, धीर 1-0-7-0, अक्षर 4-0-28-0, रेड्डी 3-0-31-1				
भारत पारी :	रन	गेंद	4	6
सैमसन का फिलिप्स बो डफी	14	17	1	1
अभिषेक का स्मिथ बो सैंटनर	27	21	3	1
सूर्यवंशी का डेरिल मिचेल बो स्मिथ	04	8	0	0
श्रेयस अय्यर का सैंटनर	07	11	0	0
अक्षर का मिचेल बो सैंटनर	11	9	0	1
तिलक वर्मा नाबाद	51	26	6	1
नमन का फिलिप्स बो सैंटनर	31	17	1	3
नीतीश नाबाद	26	13	1	1
अतिरिक्त : 10 रन				
योग : 19.5 ओवर में 181/6 रन				
गेंदबाजी : मैट हैनरी 2-1-11-0, जैकब डफी 3.5-0-41-1, लॉकी फर्ग्यूसन 3-0-37-0, माइकल ब्रेसवैल 4-0-35-0, नाथन स्मिथ 3-0-34-1, मिचेल सैंटनर 4-0-21-4				



छत्तीसगढ़ हॉकी लीग

चक्रधर चैंपियंस ने राजधानी रॉयल्स को 4-3 से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लगातार दूसरी हार से अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंची राजधानी रॉयल्स परमप्रीत सिंह बने प्लेयर ऑफ द मैच

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में शनिवार को खेले गए मुकाबले में चक्रधर चैंपियंस ने राजधानी रॉयल्स को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। वहीं, लगातार दूसरी हार के बाद ललित कुमार उपाध्याय की कप्तानी वाली राजधानी रॉयल्स की आगे बढ़ने की राह मुश्किल हो गई है। मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला और आखिरी समय तक गोल के लिए प्रयास जारी रहे।

चक्रधर चैंपियंस ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। चौथे मिनट में टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे युवराज वाल्मीकि ने शानदार वैरिएशन के जरिए गोल में बदल दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद राजधानी रॉयल्स ने वापसी की। रोशन कुमार ने अपने खास टोमहॉक शॉट से गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला देखने को मिला। चक्रधर चैंपियंस ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के तालमेल से लगातार हमले किए। युवराज वाल्मीकि ने मिडफील्ड से लंबा पास दिया, जिस पर खोगेश्वर बाग ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। इस गोल से चैंपियंस को बढ़त मिली। हाफ टाइम से पहले टीम को कुछ और मौके मिले, लेकिन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में सफलता नहीं मिली।



पेनल्टी कॉर्नर से परमप्रीत के दो गोल

चक्रधर चैंपियंस का तीसरा गोल पेनल्टी कॉर्नर से आया। परमप्रीत सिंह के शॉट को राजधानी रॉयल्स के गोलकीपर हिमांशु मलिक रोक नहीं सके। इसके बाद रोशन कुमार ने पेनल्टी कॉर्नर से मिले रिबाउंड पर गोल दागकर राजधानी रॉयल्स की वापसी की उम्मीदें बनाए रखीं। मैच के अंतिम चरण में परमप्रीत सिंह ने एक बार फिर पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर चक्रधर चैंपियंस की बढ़त मजबूत कर दी। राजधानी रॉयल्स की ओर से ललित कुमार उपाध्याय ने मैच समाप्त होने के करीब पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। चक्रधर चैंपियंस ने 4-3 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

रोशन स्ट्राइकर ऑफ द मैच, परमप्रीत प्लेयर ऑफ द मैच

राजधानी रॉयल्स के रोशन कुमार को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि चक्रधर चैंपियंस के परमप्रीत सिंह 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे। इस जीत के साथ चक्रधर चैंपियंस सेमीफाइनल में जगह बनाने के और करीब पहुंच गई है।अब राजधानी रॉयल्स का अगला मुकाबला 25 अक्टूबर को मैनपाट टाइटंस से होगा। वहीं, चक्रधर चैंपियंस 26 अक्टूबर को मैनपाट टाइटंस के खिलाफ मैदान में उतरेगी।

फाइनल में सिंधू, 1 घंटे 13 मिनट में जीता मुकाबला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

पीवी सिंधू ने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान की हिना अकेची पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारतीय स्टार ने अकेची को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-10, 20-22, 21-16 से हराकर इस साल दूसरी बार सुपर 750 टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। सिंधू ने यह मुकाबला 1 घंटे 13 मिनट में अपने नाम किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इससे पहले जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय अकेची ने इस सप्ताह वांग झी यी और पुतरी कुसुमा वारदानी जैसी खिलाड़ियों को हराकर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। जापान की खिलाड़ी ने सिंधू को भी अपनी चतुराई भरे शॉट और मजबूत रक्षात्मक खेल से परेशान किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी निर्णायक क्षणों में अपना संयम बनाए रखने में सफल रहीं। सिंधू के सामने फाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक आन से यंग की चुनौती होगी।



सिंधू को मिली बढ़त

मुकाबले का निर्णायक मोड़ 38 शॉट तक चली रैली में आया, जिसका अंत अकेची की नेट पर हुई गलती से हुआ। इससे सिंधू को 18-16 की बढ़त मिल गई। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने बेहतरीन नेट शॉट लगाकर जीत की ओर कदम बढ़ाए। अकेची के शॉट बाहर जाने से सिंधू को चार मैच प्वाइंट मिले। उन्होंने क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाकर मुकाबले पर मुहर लगा दी।

भारतीय खिलाड़ी का मैच में नियंत्रण

सिंधू ने लंबी रैली के बाद 20-20 की बराबरी करके उसे बचाया, लेकिन अकेची ने एक और मौका हासिल कर लिया और सिंधू के शॉट के बाहर जाने पर 22-20 से गेम जीत लिया। सिंधू ने निर्णायक गेम में 5-3 की बढ़त के साथ शुरुआत की, लेकिन अकेची ने वापसी करते हुए 6-5 से बढ़त बना ली।

हीरो वुमैन इंडियन ओपन वाणी ने बनाई बढ़त

गुरुग्राम। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने हीरो वुमैन इंडियन ओपन के तीसरे दौर के बाद एक शॉट की



बढ़त हासिल कर 10 साल बाद घरेलू चैंपियन बनने की उम्मीदें मजबूत कर दी हैं। पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 32 वर्षीय वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर पांच अंडर 211 है।

11 वर्ष की उम्र में इंटरनेशनल मास्टर बनीं बोधाना, तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| लंदन



भारतीय मूल की इंग्लिश शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवनंदन 38 साल पुराना जुडिथ पोल्गर का रिकॉर्ड तोड़कर 11 वर्ष की उम्र में सबसे युवा महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गई। उत्तरी लंदन की रहने वाली बोधना को यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए कुछ ही रेटिंग अंक की जरूरत थी। यूरोपीय शतरंज यूनियन ने एक्स पर लिखा,'11 वर्ष की बोधना शिवनंदन को यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2026 के आखिरी दौर में में जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने पर बधाई।'

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच बने पोलार्ड



एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 सत्र से पहले वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य कोच बनाया है, जो महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। पोलार्ड पिछले कुछ सत्र से टीम के बल्लेबाजी कोच थे। वह आईपीएल 2027 से टीम के मुख्य कोच का पद संभालेंगे। मुंबई आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से है लेकिन आखिरी बार 2020 में खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस ने कहा,' मुंबई इंडियंस को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि कीरोन पोलार्ड टीम के मुख्य कोच होंगे। यह टीम की विरासत बनाने के प्रति मुंबई इंडियंस की प्रतिबद्धता का परिचायक है। हम मैदान पर और उसके बाहर प्रतिभाओं के विकास और अपनी टीम संस्कृति मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे।'

मुंबई इंडियंस मेरे कैरियर का बड़ा हिस्सा : पोलार्ड

पोलार्ड ने कहा,' मुंबई इंडियंस मेरे जीवन और कैरियर का बड़ा हिस्सा रही है। टीम, खिलाड़ियों और पल्टन के साथ मेरा लगाव मेरे लिए काफी मायने रखता है।' उन्होंने कहा,' एक खिलाड़ी और एक कोच के तौर पर सफर का अनुभव करने के बाद मैं समझ गया हूं कि मुंबई इंडियंस क्या है और उसके साथ जुड़ने की जिम्मेदारियां क्या है।' पोलार्ड ने 2009-2010 से मुंबई के लिए ही आईपीएल खेला और आखिरी बार वह 2022 में खेले। मुंबई के लिए 189 आईपीएल मैचों में उन्होंने 147.32 की स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाए। इसके अलावा 69 विकेट भी लिए।



न्यूयॉर्क में प्रकाशित हुई दुनिया की सबसे बड़ी कॉमिक बुक, बनाया नया विश्व

दुनियाभर में कॉमिक बुक्स पढ़ने का चलन सालों से रहा है, फिर चाहे वे मार्वल की हों या किसी खास सुपरहीरो की। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा कि किसी का कॉमिक बुक का क्रेज इतना बढ़ जाएगा कि वह एक विशाल कॉमिक बुक प्रकाशित करवाएंगे? ऐसा ही कुछ न्यूयॉर्क में हुआ है। यहां 'वीफ्रेंड्स कॉमिक बुक' की 'जेंटल जायंट' नाम की कॉमिक बुक अब तक प्रकाशित की गई दुनिया की सबसे बड़ी कॉमिक बुक बन गई है।

कितनी विशाल है यह कॉमिक?

9 अक्टूबर को 'न्यूयॉर्क कॉमिक कॉन में इस विशाल कॉमिक बुक को प्रदर्शित किया गया। अब यह इतिहास में प्रकाशित सबसे बड़ी कॉमिक बुक बन गई है, जिसका नाम गिनीज बुक में भी शुमार हो गया है। इस कॉमिक बुक का आकार 7 फीट 125.48 इंच है, जो 3.5 फीट ऊंची, 2.25 फीट चौड़ी और 0.01



फीट मोटी है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह कॉमिक किसी साधारण आकार की कॉमिक से 4 गुना बड़ी है।

क्या है कॉमिक की कहानी?

'वीफ्रेंड्स एंटरटेनमेंट एंड कैरेक्टर फ्रैंचाइजी' ने इस रिकॉर्ड को कायम किया है। इस कॉमिक बुक के लिए एक खास कवर डिजाइन किया गया था, जिसे डेडपूल के रचयिता और इमेज कॉमिक्स के सह-संस्थापक रॉब लीफेल्ड ने बनाया था। इस कॉमिक की कहानी 'कोल्ड वॉर' के दौर पर आधारित है और सरकार के एक गुप्त प्रयोग के इर्द-गिर्द घूमती है, जिससे 'जेंटल जाइंट' का जन्म होता है।

कॉमिक तैयार करने में सामने आईं कई परेशानियां

'वीफ्रेंड्स' के सोशल मीडिया पेज पर बताया गया कि इस विशाल कॉमिक को बनाने में कितनी मुश्किलें आईं। कॉमिक के विशेष विवरण में बदलाव किए गए, ताकि सब कुछ साफ-साफ दिखाई दे। इसके बाद प्रिंटिंग पर विचार किए गए। इस कॉमिक का वजन 2.83 किलोग्राम है और इसमें 24 पन्ने हैं। इस कॉमिक की सुपरवाइजर सिमोन नाम की महिला ने भी इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में खास योगदान दिए।

गिनीज बुक की टीम ने कि प्रयास की तारीफ

गिनीज विश्व रिकॉर्ड के निर्णायक एंड्रयू ग्लास ने इस कॉमिक की माप की प्रक्रिया की देखरेख की थी। उन्होंने इसके बाद में कहा, "इस रिकॉर्ड का हिस्सा बनना बहुत शानदार रहा। इतने बड़े पैमाने पर कॉमिक बनाने में आने वाली लॉजिस्टिकल चुनौतियों के बारे में जानना बेहद दिलचस्प था और न्यूयॉर्क कॉमिक कॉन का अनुभव करना हमेशा ही मजेदार होता है। यह कॉमिक साधारण आकार में प्रशंसकों के लिए उपलब्ध है।

पंजाब की महिला की किस्मत चमकी, 7 रुपए के टिकट से लगी एक करोड़ की लॉटरी

नई दिल्ली। अगर व्यक्ति की किस्मत साथ दे तो उसके सितारे चमकने में देर नहीं लगती। यह बात पंजाब की एक महिला के लिए सच साबित हो गई है। दरअसल, इस महिला ने महज 7 रुपये का एक लॉटरी टिकट खरीदा था, जिसने उनकी किस्मत चमका दी। उन्होंने 'सिक्किम सरकार की लॉटरी' में एक करोड़ रुपये की रकम जीत ली है।



सामान खरीदने गईं और लॉटरी जीत गईं

महिला का नाम बिमला देवी है, जो पंजाब के कोटकपुरा की रहने वाली हैं। उनके पति एक मजदूर हैं और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। बिमला एक दिन बाजार से कपड़े खरीदने निकली थीं, जब उन्होंने रेलवे स्टेशन के पास 'स्टार लॉटरी स्टॉल' से लॉटरी का टिकट खरीदा। उस वक्त उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि इस 7 रुपये के टिकट के जरिए उनकी किस्मत के ताले खुलने वाले हैं।

इटली के इस गांव की महिलाएं जीती हैं लंबी जिंदगी

नई दिल्ली। इटली के खूबसूरत स्थान सार्डिनिया में लगभग 20 साल पहले वैज्ञानिकों ने एक अहम खोज की थी। यहां दुनिया का पहला 'ब्लू जोन' पाया गया था, जहां के लोगों में असाधारण रूप से लंबी उम्र देखी गई थी। अब इसी स्थान से 110 किलोमीटर दूर के एक गांव में भी ब्लू जोन पाया गया है। इस गांव का नाम बोलोटाना है, जहां की महिलाओं का जीवनकाल काफी लंबा होता है। इस खोज से जुड़ा अध्ययन 'फ्रंटीयर्स इन एजिंग' नाम की पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। इसके लिए 2021 से 2025 तक का डाटा जुटाया गया था, जिसका विश्लेषण किया गया था। बोलोटाना में 70 साल की औसत महिला की बची हुई जीवन-अवधि 20.85 साल पाई गई।

ओम हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
हाई रिस्क प्रेगनेंसी
(गर्भावस्था संबंधित जटिलताओं का संभव सफलतापूर्वक ईलाज)
नार्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा
बांझपन का ईलाज
बच्चेदानी एवं अंडेदानी संबंधित सभी बीमारीयों का ईलाज
महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड़,तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सरायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123
#Rajesh

पेट एवं आंतों की जटिल बीमारियों के लिए विशेषज्ञ सर्जिकल परामर्श
डॉ. विवेक केशरवानी
लैप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी विशेषज्ञ
(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, रायपुर
Ajay 9827144371

MushroomAD
Mushroom Soup Powder
हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखो ग्राहकों का विश्वास
MADE IN INDIA
भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद
मशरुम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर
NEW PACK
•भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
•दुबलेपन को दुर करने में सहायक
•प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
•गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
•उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक
सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9823286830
SS - पंकज मेडीकोज, बिलासपुर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपुर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया | कं. -8889669996

PRADIKSHA HERBAL दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल
Ortho Oil 50 ML
घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Custmer Care - 9112637000, 9823286830

चोट एवं जलने के बाद घाव की प्लास्टिक सर्जरी
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

संजीवनी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स
यूनिट - 1, 2, 3 एंड 4
अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाएँ, एक ही छत के नीचे!
• कैंसर, हृदय, मस्तिष्क, किडनी, गैस्ट्रो, हड्डी, फेफड़े, स्त्री रोग, रक्त रोग
• सभी मेडिकल व सर्जिकल ट्रीटमेंट, इमरजेंसी व ICU (क्रिटिकल) केयर
• सभी ओपन, लैप्रोस्कोपिक व रोबोटिक सर्जरी
• कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं ब्रेकीथेरेपी
• डायलिसिस व किडनी ट्रांसप्लांट
• कैथ लैब, ओपन व इंडोस्कोपिक हार्ट सर्जरी
• ब्रेन व स्पाइन हेतु न्यूरो माइक्रोस्कोप व नेविगेशन
• सभी गैस्ट्रो एंडोस्कोपी, ERCP, EUS, ब्रॉन्कोस्कोपी
• सभी पेन, पैलिएटिव, सपोर्टिव केयर व होम केयर
• CT, MRI, PET स्कैन व न्यूक्लियर स्कैन
24 × 7 EMERGENCY आपातकालीन सुविधा
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 04010

Hero
HF-Deluxe
बाइक दमदार दाम शानदार
एक्स-शोरूम कीमत
₹59 999/-* (सेल्फ़-स्टार्ट)
*नियम व शर्तें लागू.
कम डाउन पेमेंट | ₹5999/-*
Hero GoodLife सोने का सिक्का जीतने का मौका*
pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक*
TOLL FREE 1800 266 0018

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas Self start variant applicable in Chhattisgarh.*Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलरः रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजनांदगांव: जय हीरो, 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो, 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुर: संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़, 8770383767, मनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोगुहानी: किरण मोटर्स, 9754069392, लवन: गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिंभौरी: श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुढ़: श्री गुरूनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, पोड़ला: विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अंजनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, सुरिया: अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, छटौद: अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरूनानक ऑटो, 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झागरहीं: किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरला: कोन्हा मोटर्स, 98931058752/ 6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोद: नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतरा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, छटौदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेही: एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, दिशाली: भारत मोटर्स, 9993417123, पिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, डूडपिनार - कांकेर: अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादर: गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुड़कुदुर: दिलीप मोटर्स, 7869151152, खुज्जा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लालोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिम: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, लटरीकेरा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, पाराना: श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुढ़ियारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो, 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com